▶▶वर्ष : 34 ▶▶अंक : 332 ▶▶मुंबई, रविवार, 8 फरवरी 2026 ▶▶RNI: MAHHIN/49994/91 ▶▶मूल्य : 3 रुपए ▶▶epaper.dobajedopahar.com ▶▶संपादक : अरुण लाल ▶▶संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

उद्धव गुट नहीं उतारेगा उम्मीदवार

शिवसेना (उद्धव ठाकरे) गुट ने इस बार मुंबई महानगरपालिका के महापौर चुनाव में अपना उम्मीदवार न उतारने का रणनीतिक फैसला लिया है। पार्टी नेतृत्व ने साफ तौर पर कहा है कि फिलहाल उसकी प्राथमिकता सत्ता की होड़ में शामिल होना नहीं, बल्कि बीएमसी में एक सशक्त और जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाना है। इस निर्णय को राजनीतिक हलकों में एक सोची-समझी रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, जिसके जरिए पार्टी भविष्य की राजनीति पर फोकस करना चाहती है। उद्धव गुट के मैदान से हटने के बाद भाजपा की उम्मीदवार रितु तावड़े का निर्विरोध महापौर चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है। विपक्ष की ओर से किसी भी प्रकार की चुनौती न मिलने के चलते अब 11 फरवरी को होने वाला महापौर पद का चुनाव महज एक औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह गया है। इस घटनाक्रम के साथ ही बीएमसी में सत्ता के नए समीकरण स्पष्ट होते नजर आ रहे हैं और आने वाले समय में नगर निगम की राजनीति की दिशा भी लगभग तय मानी जा रही है।

रितु तावड़े को कब-कब मिली जीत?

- 2012 चुनाव – वार्ड 121 से जीत दर्ज की
- 2017 चुनाव – वार्ड 127 से चुनाव हार गईं
- 2025–26 चुनाव – वार्ड 132 से जीत हासिल की

तावड़े की ताजपोशी!

- मुंबई मेयर पद के लिए भाजपा ने रितु तावड़े को अपना उम्मीदवार घोषित किया
- उप महापौर का पद शिवसेना शिंदे के खाते में, संजय घाटी बने उम्मीदवार
- 11 फरवरी को होने हैं महापौर और उप महापौर पद के लिए चुनाव

एजेंसी | नई दिल्ली

मुंबई में बीएमसी मेयर चुनाव को लेकर तस्वीर साफ हो गई. शिवसेना शिंदे गुट के साथ गठबंधन पर मुहर लगाते हुए बीजेपी ने मेयर पद के लिए सीनियर नगरसेवक रितु तावड़े के नाम का ऐलान कर दिया. मुंबई में उप महापौर का पद शिवसेना शिंदे के खाते में जाएगा. पार्टी ने संजय घाटी को अपना उम्मीदवार बनाया है. दोनों ही प्रत्याशियों ने शनिवार को नामांकन के आखिरी दिन अपना पर्चा दाखिल किया. रितु तावड़े बीजेपी की सीनियर कारपोरेटर हैं और तीन बार अलग-अलग वार्डों से चुनाव जीत चुकी हैं.

शिवसेना की मांग पर बीजेपी की हां

बीएमसी चुनाव नतीजों के बाद ही भारतीय जनता पार्टी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि मुंबई के महापौर पद पर पार्टी का ही उम्मीदवार चुना जाएगा। इसी राजनीतिक समीकरण के तहत शिंदे गुट की शिवसेना ने उपमहापौर पद अपने खाते में देने की मांग रखी थी, जिसे भाजपा ने स्वीकार कर लिया है। सहमति बनने के बाद अब शिवसेना की ओर से संजय घाटी के डिप्टी मेयर बनने का रास्ता साफ हो गया है। अगर सीटों के गणित पर नजर डालें तो बहुमत के लिए जरूरी 114 सीटों के मुकाबले भाजपा को 89 और शिंदे गुट की शिवसेना को 29 सीटें मिली थीं, जिससे दोनों दलों का गठबंधन सहज बहुमत की स्थिति में पहुंच गया। इस मजबूत संख्याबल ने भाजपा को मेयर पद पर दावा ठोकने का आत्मविश्वास दिया, वहीं शिवसेना को उपमहापौर पद के रूप में सत्ता में साझेदारी मिली। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने भी मुंबई के महापौर पद के लिए अपना उम्मीदवार उतारने के संकेत दिए थे, लेकिन बदले राजनीतिक हालात और नए समीकरणों के चलते अब बीएमसी में सत्ता की तस्वीर पूरी तरह स्पष्ट होती नजर आ रही है।

रितु तावड़े कौन हैं?

रितु तावड़े का जन्म 18 अप्रैल 1973 को हुआ था और उन्होंने एसवाईबी.कॉम (S.Y.B.Com) तक शिक्षा प्राप्त की है। उनके परिवार में उनके पति राजेश तावड़े (उद्यमी), एक बेटा यश (कंप्यूटर इंजीनियर) और एक बेटी मधुरा (अधिवक्ता) हैं। रितु तावड़े शिक्षा समिति की पूर्व अध्यक्षा रह चुकी हैं और उनके पास राजनीति का व्यापक अनुभव है। उन्होंने 2012 (प्रभाग 127), 2017 (प्रभाग 121) और 2025 (प्रभाग 132) के चुनावों में जीत हासिल की है। इसके अलावा वह महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष भी रही हैं। रितु तावड़े खुद मराठा समुदाय से आती हैं, लेकिन उन्होंने अब तक गुजराती बहुल क्षेत्र (घाटकोपर) से बड़े अंतर से चुनाव जीते हैं। भाजपा उन्हें एक आक्रामक मराठी चेहरे के रूप में देखती है, जो मराठी और गुजराती दोनों मतदाताओं को जोड़ने में सक्षम हैं।

महिला नेतृत्व का चेहरा

महिलाओं के सम्मान और अश्लील विज्ञापनों के खिलाफ उनके आंदोलनों की चर्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर तक हुई है। उन्होंने घाटकोपर में पानी की किल्लत दूर करने के लिए पानी माफियाओं के खिलाफ 'हंडा मोर्चा' निकाला था, जिसके बाद प्रशासन को सख्त कार्रवाई करनी पड़ी। 'महिला आर्थिक विकास महामंडल' की पूर्व निदेशक के तौर पर उन्होंने हजारों महिलाओं को रोजगार दिलाने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में भूमिका निभाई है। बीएमसी चुनाव के दौरान रितु तावड़े ने एलान किया था कि उनका लक्ष्य मुंबईवासियों को 'शासन आपल्या दारी' और 'लाडकी बहीण' जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलना है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील

भारत पर अमेरिका का अतिरिक्त टैरिफ खत्म

एजेंसी | वाशिंगटन/नई दिल्ली

भारत और अमेरिका ने शनिवार को एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे (फ्रेमवर्क) को अंतिम रूप दिया है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'बड़ी खबर' बताया है। इस समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय सामानों पर लगने वाले कुल आयात शुल्क (टैरिफ) को 50% से घटाकर 18% कर दिया है। यह कदम दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव को कम करने और द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है।

- **भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के ढांचे पर लगी मुहर**
- **दोनों देशों ने अंतिम व्यापार समझौते के लिए फ्रेमवर्क पर सहमति जताई**
- **अमेरिका ने भारतीय सामानों पर टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया, कई सामान होंगे जीरो टैक्स**

$500 अरब की खरीद

समझौते के अनुसार, भारत अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के ऊर्जा उत्पाद, विमान, विमान के पुर्जे और उच्च तकनीक वाले उत्पाद खरीदेगा। बदले में, अमेरिका भारतीय जेनेरिक दवाओं और ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ में विशेष छूट देगा। दोनों देश मार्च के मध्य तक इस औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं, जिससे तकनीकी सहयोग, डेटा सेंटर और ग्राफ़िक्स प्रोसेसिंग यूनिट (GPU) जैसे भविष्य के क्षेत्रों में साझेदारी और गहरी होगी।

निर्यातकों के लिए $30 ट्रिलियन का बाजार

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, यह समझौता भारतीय निर्यातकों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME), किसानों और मछुआरों के लिए अमेरिका के 30 ट्रिलियन डॉलर के विशाल बाजार के द्वार खोल देगा। कपड़ा, चमड़ा, आभूषण, हस्तशिल्प और फार्मास्युटिकल्स जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को इससे सीधा लाभ होगा। इससे न केवल निर्यात में वृद्धि होगी, बल्कि देश के युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर भी पैदा होंगे।

अमेरिका भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार

वर्ष 2021-25 के दौरान, अमेरिका सामानों के मामले में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। भारत के कुल निर्यात में अमेरिका का हिस्सा लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और द्विपक्षीय व्यापार में 10.73 प्रतिशत है। 2024-25 में, द्विपक्षीय व्यापार 186 अरब अमेरिकी डॉलर (86.5 अरब अमेरिकी डॉलर निर्यात और 45.3 अरब अमेरिकी डॉलर आयात) रहा।

रूसी तेल और दंडात्मक टैरिफ की समाप्ति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से भारत पर लगा 25% का अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क हटा लिया है। यह शुल्क पिछले साल अगस्त में भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने के कारण लगाया गया था। समझौते के तहत भारत ने रूस से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से तेल आयात बंद करने और अमेरिका से ऊर्जा उत्पादों की खरीद बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई है। इस फैसले से भारतीय वस्तुओं की अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता वापस लौट आएगी।

कृषि और डेयरी क्षेत्र की सुरक्षा

प्रधानमंत्री मोदी और वाणिज्य मंत्री गोयल ने स्पष्ट किया है कि समझौते के दौरान भारतीय किसानों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। भारत ने मक्का, गेहूं, चावल, पोल्ट्री और डेयरी उत्पादों जैसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को 'सुरक्षित' श्रेणी में रखा है, यानी इन पर अमेरिकी आयात की अनुमति नहीं होगी। इसके विपरीत, अमेरिका भारतीय कृषि उत्पादों जैसे मसालों, चाय, कॉफी और फलों को अपने बाजार में जीरो-ड्यूटी (शून्य शुल्क) पर प्रवेश देगा।

7 नक्सली ढेर, 3 रात और 3 दिन तक चला मुठभेड़

एजेंसी | गढ़चिरौली

पिछले तीन दिनों से चल रहे सुरक्षाबलों के अभियान में 71 लाख रुपये के इनामी सात नक्सली मारे गए। इस कार्रवाई की पुष्टि पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने शनिवार को प्रेस वार्ता में की। उन्होंने बताया कि घने जंगलों में लगातार तीन दिन और तीन रात तक चली मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने बड़े नक्सली कैडरों को निशाना बनाया। इस अभियान के दौरान जवान दीपक मडावी शहीद हो गए, जबकि एक अन्य जवान घायल हुआ है, जिसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।

मारे गए नक्सलियों में शीर्ष कमांडर शामिल

पुलिस के अनुसार मारे गए नक्सलियों की पहचान कर ली गई है, जिनमें दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी और विभिन्न कंपनियों से जुड़े वरिष्ठ कैडर शामिल हैं। इनमें प्रभाकर उर्फ रवि (25 लाख इनाम) और पगु मोड़्यम (16 लाख इनाम) जैसे कमांडर स्तर के नक्सली भी थे। अन्य मारे गए सदस्यों पर भी 4 से 8 लाख रुपये तक के इनाम घोषित थे। अधिकारियों के मुताबिक इन पर हत्या, विस्फोट, पुलिस मुठभेड़ और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे अनेक गंभीर मामले दर्ज थे।

अभियान जारी, क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन तेज

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों की ओर से भारी फायरिंग की गई, जिसका सुरक्षाबलों ने जवाब दिया। घटनास्थल और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी है, क्योंकि आशंका है कि कुछ अन्य नक्सली घायल अवस्था में भाग निकले हों। पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बल संयुक्त रूप से इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना प्रशासन को देने की अपील की है।

ब्रीफ न्यूज़

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अनिल देशमुख की याचिका खारिज

नई दिल्ली। यहां की एक विशेष अदालत ने शनिवार को प्रीमियर पोर्ट लिंक्स प्राइवेट लिमिटेड को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में बरी करने से इनकार कर दिया। कंपनी कथित तौर पर महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख के परिवार द्वारा नियंत्रित है। अदालत ने फैसला सुनाया कि कंपनी के खिलाफ प्रथम दृष्टया पुख्ता सबूत हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप लगाया कि कंपनी ने अपराध की आय को लॉन्ड्रिंग करने के साधन के रूप में काम किया। एनसीपी (एसपी) नेता अनिल देशमुख के बेटे सलिल देशमुख द्वारा प्रबंधित फर्म ने यह दावा करते हुए बरी करने की मांग की थी कि उसे झूठा फंसाया गया है।

बीएमसी करेगा 4,000 हज यात्रियों की अनिवार्य स्वास्थ्य जांच

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने हज 2026 के लिए शहर और आसपास से जाने वाले लगभग 4,000 यात्रियों की अनिवार्य मेडिकल स्क्रीनिंग (स्वास्थ्य जांच) करने का फैसला किया है। यह जांच बीएमसी के सिविक अस्पतालों में की जाएगी ताकि तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य स्थिति पूरी तरह फिट रहे और उन्हें हज के लिए यात्रा की मंजूरी मिल सके। यह कदम हज कमेटी ऑफ इंडिया और सऊदी अरब की स्वास्थ्य आवश्यकताओं के मुताबिक उठाया गया है।

बड़ी परियोजनाओं में भ्रष्टाचार का आरोप

जल संसाधन विभाग के पूर्व चीफ इंजीनियर विजय पंढारे ने किया खुलासा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

जल संसाधन विभाग के पूर्व चीफ इंजीनियर विजय पंढारे ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि राज्य में बड़े परियोजनाओं में भारी रकम खर्च करके भ्रष्टाचार किया जा रहा है, जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है और विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन के बाद विजय पंढारे ने एक साक्षात्कार में सिंचाई घोटाले के साथ-साथ राज्य में हाईवे, पुल और अन्य संरचनात्मक प्रोजेक्ट्स पर किए जा रहे खर्च पर कठोर सवाल उठाए। उनके अनुसार सरकार पुराने और अधूरे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के बजाय महंगे नए कॉन्ट्रैक्ट्स को प्राथमिकता दे रही है, जिसका फायदा मुख्य रूप से ठेकेदारों को हो रहा है। पंढारे ने बताया कि अटल सेतु के निर्माण पर प्रति मीटर 1 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो अत्यधिक और संदिग्ध है।

परियोजनाओं की लागत जानबूझकर बढ़ाई जा रही

पंढारे ने यह भी कहा कि राज्य में रुकी हुई सिंचाई परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 2 लाख करोड़ रुपये हो चुकी है। ऐसे में जब सरकार के पास पुराने प्रोजेक्ट्स पूरा करने के लिए पैसे नहीं हैं, उसके बावजूद वैनगंगा-नलगंगा जैसे 88 हजार करोड़ रुपये के नए प्रोजेक्ट को शुरू करना 'दिवालियापन' जैसा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र पर प्रत्यक्ष रूप से 6.5 लाख करोड़ रुपये और अप्रत्यक्ष रूप से 2 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है, जिस पर सरकार को हर साल करीब 50 हजार करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज के तौर पर देना पड़ता है।

अजीत पवार प्लेन हादसा

10 फरवरी को होगा खुलासा : रोहित पवार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता रोहित पवार ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि 10 फरवरी को मुंबई में इस हादसे पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन पेश किया जाएगा। रोहित पवार के मुताबिक, दुर्घटना की परिस्थितियों को लेकर अभी भी कई सवाल और संदेह बने हुए हैं, जिनका जवाब सार्वजनिक रूप से दिया जाएगा।

चुनाव टले, शोक के बीच राजनीति भी तेज

महाराष्ट्र में 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनाव पहले 5 फरवरी को होने थे, लेकिन 28 जनवरी को अजित पवार की विमान दुर्घटना में मौत के बाद तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया, जिससे मतदान टाल दिया गया। दोनों गुट—अजित गुट और शरद गुट ने स्थानीय निकाय चुनाव में साथ आकर 'घड़ी' चुनाव चिन्ह पर लड़ने का फैसला किया है।

'हादसे को लेकर लोगों के मन में सवाल'

बारामती में जिला परिषद चुनाव के दौरान मीडिया से बात करते हुए रोहित पवार ने कहा कि यह सिर्फ एक दुर्घटना नहीं बल्कि ऐसी घटना है जिसने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि आम लोगों से लेकर राजनीतिक हलकों तक हर किसी के मन में यह सवाल है कि आखिर हादसा कैसे हुआ। इसी वजह से तथ्यों के आधार पर पूरी तस्वीर सामने रखना जरूरी है।

जिल्हा परिषद और पंचायत समिति चुनाव में 75 % तक मतदान

मुंबई। महाराष्ट्र के 12 जिलों में 7 फरवरी को जिला परिषद और 125 पंचायत समितियों के चुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हुआ, जिसमें 70 % से 75 % तक मतदाता-उपस्थिति दर्ज की गई। यह मतदान इस प्रकार के चुनावों में काफी ऊँचा आंकड़ा माना जा रहा है, जो ग्रामीण और ग्रामीण-निकट क्षेत्रों में लोकतांत्रिक भागीदारी को दर्शाता है। हालांकि ज़्यादातर मतदान केंद्रों पर प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी रही, कई स्थानों पर ईवीएम मशीनें थोड़ी देर के लिए बंद होने या तकनीकी खामियों की वजह से रुकने की शिकायतें आईं। अधिकारियों ने कहा कि मशीनों को तुरंत दुरुस्त कर फिर से मतदान शुरू कराया गया, जिससे कुल प्रक्रिया पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा।

रेलवे: रेलवे बजट में रिकॉर्ड 7,748 करोड़ रुपए आवंटित

बेंगलुरु से मुंबई के लिए प्रीमियम ट्रेन सेवा जल्द

एजेंसी | बेंगलुरु/ मुंबई

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि बेंगलुरु से मुंबई के लिए प्रीमियम ट्रेन सेवा जल्द शुरू होगी। वैष्णव ने कहा कि कर्नाटक को इस वर्ष के रेलवे बजट में रिकॉर्ड 7,748 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं। यह कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान आवंटित राशि से नौ गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि राज्य में रेलवे का कुल निवेश 52,950 करोड़ रुपए है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि बड़े पैमाने पर निवेश में रेल पटरियों का विस्तारीकरण, स्टेशन पुनर्विकास, सुरक्षा, घोषणाएं, बेंगलुरु उपनगरीय क्षेत्र और कर्नाटक में कई नई परियोजनाएं शामिल होंगी।

कई खंडों का दोहरीकरण

रेलमंत्री ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बहुत जल्द हम बेंगलुरु से मुंबई के लिए प्रीमियम ट्रेन सेवा शुरू करेंगे। तेजस्वी सूर्या (बेंगलुरु दक्षिण के सांसद) ने इस संबंध में संपर्क किया था, साथ ही कई अन्य अनुरोध भी प्राप्त हुए हैं। कई खंडों का दोहरीकरण किया जा रहा है, इसलिए बहुत जल्द हमारे पास और भी कई सेवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि अभी विद्युतीकरण के लिए परीक्षण और प्रमाणन प्रक्रिया चल रही है। जैसे ही ये प्रक्रियाएं पूरी हो जाएंगी, हम जल्द ही आपके साथ विवरण साझा करेंगे।

जनहित में काम करना उद्देश्य

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हम कई परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण के लिए राज्य सरकार से लगातार संपर्क बनाए रखे हुए हैं। हम सहकारी संघवाद में विश्वास रखते हैं। इसलिए हम राज्य सरकार से भूमि अधिग्रहण का अनुरोध करते रहते हैं। मैं किसी एक मुद्दे या परियोजना का विशेष उल्लेख नहीं करना चाहता।

हाईवे पर चलती बाइक से लूट

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

नाशिक-ठाणे हाईवे पर 5 फरवरी की रात एक दुस्साहसिक लूट की वारदात सामने आई है। कल्याण की रहने वाली 34 वर्षीय आर्या आशिष पाटकर जब अपने पति के साथ मोटरसाइकिल से ठाणे से वापस लौट रही थीं, तभी पिंपलास रेलवे ब्रिज के पास एक बाइक सवार बदमाश ने उन्हें निशाना बनाया। हेलमेट और काली जैकेट पहने शातिर अपराधी ने चलती बाइक पर झपट्टा मारकर महिला के गले से लगभग डेढ़ लाख रुपए की सोने की चेन लूट ली और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पुलिसिया जांच और सीसीटीवी का सहारा

इस घटना के संबंध में कोनगांव पुलिस थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उपनिरीक्षक रोहन गायकवाड़ के नेतृत्व में टीम जांच में जुट गई है। पुलिस वारदात स्थल और भागने के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि हेलमेट पहने बदमाश और उसकी मोटरसाइकिल की पहचान की जा सके। प्राथमिक जांच के अनुसार, आरोपी वारदात के बाद नाशिक की ओर तेजी से भाग निकला था।

चेन स्नैचर गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई और नवी मुंबई के इलाकों में दहशत का पर्याय बने एक 49 वर्षीय चेन स्नैचर को सायन पुलिस ने गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान मोहन कोकाटे के रूप में हुई है। दिलचस्प बात यह है कि आरोपी हर बार अपना हुलिया और कपड़े बदल लेता था, लेकिन उसके 'जूतों' ने उसे सलाखों के पीछे पहुँचा दिया। सायन इलाके में हुई एक वारदात के बाद पुलिस ने करीब 80 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। आरोपी इतना शातिर था कि वह वारदात के दौरान हमेशा हेलमेट पहनता था और पहचान छिपाने के लिए बार-बार कपड़े बदलता था। हालांकि, पुलिस की पारखी नजरों ने पकड़ा कि हर फुटेज में आरोपी के जूते एक जैसे थे। इसी एक सुराग के दम पर पुलिस ने उसे ट्रैक करना शुरू किया। यह मामला तब सुर्खियों में आया जब 25 जनवरी को सायन में एक महिला से लूटपाट हुई। पुलिस ने जब महिला से संपर्क किया, तो वह शिकायत दर्ज कराने में हिचकिचा रही थी क्योंकि छीना गया मंगलसूत्र नकली था। पुलिस के समझाने पर मामला दर्ज हुआ और जांच तेज की गई।

हेलमेट पहनकर करता था लूट, कपड़े भी बदले पर जूतों ने बिगाड़ा काम और पहुंचाया जेल

वारदात का तरीका

जांच में पता चला कि कोकाटे ने नेरुल से एक बाइक चोरी की थी, जिसका इस्तेमाल वह वारदातों के लिए करता था। पकड़े जाने से बचने के लिए वह चोरी की बाइक से अकेले बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाता था। वारदात के बाद बाइक को 'तीन हाथ नाका' (ठाणे) के पास पार्क कर देता था। वहां से पैदल अपने घर चला जाता था ताकि पुलिस को उस पर शक न हो।

पुलिस की कार्रवाई

पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 1.20 लाख रुपए का कीमती सामान बरामद किया है। केवल जनवरी महीने में ही उसके खिलाफ 5 FIR दर्ज हुई हैं। सायन पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

शिक्षित परिवार, फिर भी अपराध का रास्ता

हैरानी की बात यह है कि आरोपी एक बेहद प्रतिष्ठित और शिक्षित परिवार से ताल्लुक रखता है। उसके परिवार में इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) और विदेशों में रहने वाले सदस्य हैं। 2011 में भी वह जेल जा चुका था, जिसके बाद उसने अपने पिता के साथ गार्डनिंग का काम शुरू किया था। लेकिन ऑनलाइन कैसीनो (Online Gaming) की लत और बढ़ते खर्चों के कारण वह दोबारा अपराध की दलदल में उतर गया।

सोशल मीडिया पोस्ट से भड़की हिंसा

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

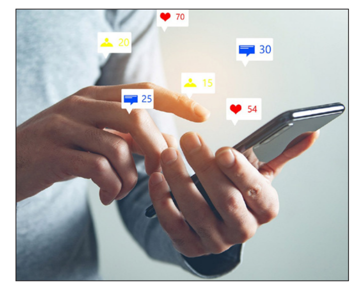

शांतिनगर इलाके में चुनावी रंजिश के कारण एक युवक पर जानलेवा हमला होने का मामला सामने आया है। घटना की शुरुआत 5 फरवरी की शाम को हुई, जब 27 वर्षीय सैवाज साजीद अंसारी एक सैलून के पास खड़ा था। पुलिस के अनुसार, चुनाव से जुड़ी एक खबर को सोशल मीडिया पर अपलोड करने को लेकर विवाद शुरू हुआ। यह मौखिक बहस देखते ही देखते खूनी संघर्ष में तब्दील हो गई, जिससे इलाके में तनाव फैल गया।

पीड़ित सैवाज अंसारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से उस पर हमला किया। मुख्य आरोपी रिहान सुल्तान अंसारी ने चाकू से सैवाज के सिर के पिछले हिस्से पर प्रहार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले के दौरान अन्य आरोपियों ने उसे पकड़ रखा था और उकसाने वाले नारे लगाए। यही नहीं, बीच-बचाव करने आए पीड़ित के परिजनों और बहनों के साथ भी महिलाओं और अन्य सहयोगियों ने मारपीट और गाली-गलौज की।

पुलिसिया कार्रवाई और कानूनी प्रक्रिया

शांतिनगर पुलिस ने इस मामले में सात नामजद पुरुषों और दो अज्ञात महिलाओं सहित कुल नौ लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। हालांकि, घटना के बाद से सभी आरोपी फरार हैं और फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस उपनिरीक्षक विक्रम उदमले के नेतृत्व में पुलिस की विशेष टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं और इलाके में शांति बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

6 साल की बच्ची पानी के टैंक में डूबने से मौत

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

दिवा इलाके के शिलफाटा परिसर में शनिवार की सुबह एक दुखद घटना सामने आई, जब मात्र 6 वर्ष की बच्ची का शव एक पानी से भरे टैंक (डबका) में पाया गया। यह घटना उस समय हुई जब बच्ची अपने मित्र-मित्रियों के साथ घर के पास खेल रही थी और अचानक पास के पानी के टैंक में गिर गई। स्थानीय लोगों ने सुबह उसके शव को पानी में तैरता देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना के बारे में जानकारी मिलते ही डायघर पुलिस स्टेशन और शिल अग्निशमन केंद्र की टीम मौके पर पहुंची। आग्नेय दल और पुलिस अधिकारियों ने तलाशी अभियान चलाया तथा पानी के टैंक से बच्ची का शव बाहर निकाला। शव को आगे की जांच के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कळवा, ठाणे भेज दिया गया है।

बच्ची की मौत की खबर से उसके परिवार के अलावा पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि बच्ची अक्सर घर के पास खेला करती थी, लेकिन आज ऐसा हादसा हो गया कि किसी को अंदाजा भी नहीं था। पुलिस ने इस मामले में डायघर पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मृत्यु (Accidental Death) का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुरक्षा पर सवाल उठे

घटना से यह भी सवाल खड़े हो रहे हैं कि सार्वजनिक या निर्माणस्थल के पास ऐसे पानी भरे टैंकों को सुरक्षित बनाया जाना चाहिए या नहीं। इस तरह के खुला स्टोर पानी बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। स्थानीय लोग प्रशासन से ऐसी जगहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं। पुलिस इस हादसे की विस्तृत जांच कर रही है कि बच्ची कैसे और किन परिस्थितियों में पानी के टैंक में गिर गई। शुरुआती तौर पर इसे एक दुर्घटना माना जा रहा है, लेकिन पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

एटीएम में कार्ड फंसाकर बुजुर्ग मजदूर से 56 हजार रुपए की ठगी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

एटीएम धोखाधड़ी का एक और मामला सामने आया है, जहां एक अज्ञात आरोपी ने चालाकी से एटीएम कार्ड फंसाकर बुजुर्ग मजदूर के खाते से 56 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर भिवंडी शहर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 65 वर्षीय मंगला राम माने 5 फरवरी की रात करीब 8.05 बजे अपनी बेटी रेखा के साथ ताडाली–कामतघर रोड स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम में पैसे निकालने पहुंचे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने एटीएम मशीन से छेड़छाड़ कर उनका कार्ड फंसा दिया।

ई-साक्ष्य सुरक्षित, जांच जारी

आरोप है कि बाद में आरोपी ने किसी तरह पिन नंबर हासिल कर कार्ड अपने कब्जे में ले लिया और खाते से कुल 56 हजार रुपए निकाल लिए। यह घटना हनुमान नगर गेट के पास रघुवंश देशी बार के सामने स्थित एटीएम की बताई जा रही है। पीड़ित ने भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामले से जुड़े ई–साक्ष्य सुरक्षित कर लिए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(4) और 3(5) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक विशाल पवार कर रहे हैं।

फिल्म 'ओ रोमियो' की रिलीज पर रोक से कोर्ट का इनकार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

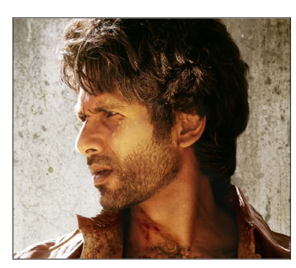

मुंबई की एक दीवानी अदालत ने फिल्म 'ओ रोमियो' की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अदालत ने मृत गैंगस्टर हुसैन उस्तरा उर्फ हुसैन शेख की बेटी सनोबर शेख को किसी भी प्रकार की अंतरिम राहत देने से मना कर दिया।

यह फिल्म 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। सनोबर शेख ने फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला, निर्देशक विशाल भारद्वाज और लेखक हुसैन जैदी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि फिल्म की कहानी उनके पिता के जीवन पर आधारित है और इसके लिए परिवार से कोई अनुमति नहीं ली गई। उन्होंने अदालत से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने के लिए अंतरिम आदेश की मांग की थी।

'प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनता'

दिवानी अदालत के न्यायाधीश एच.सी. शेंडे ने कहा कि वादी फिल्म पर रोक लगाने के लिए प्रथम दृष्टया ठोस मामला साबित करने में विफल रहीं। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि सनोबर शेख पहले फिल्म निर्माताओं से आर्थिक मुआवजे की मांग कर चुकी हैं, इसलिए तत्काल रोक का अनुरोध कानूनी रूप से स्वीकार्य नहीं है।

'फिल्म पूरी तरह काल्पनिक'

बचाव पक्ष के वकीलों ने अदालत में दलील दी कि 'ओ रोमियो' एक पूरी तरह काल्पनिक रचना है और इसमें स्पष्ट अस्वीकरण (डिस्क्लेमर) भी दिया गया है। हालांकि, सनोबर शेख के वकील ने संकेत दिया है कि वे इस फैसले को अब बंबई उच्च न्यायालय में चुनौती देंगे। फिल्म में शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी और नाना पाटेकर जैसे प्रमुख कलाकार नजर आएंगे।

ओवरलोड लिफ्ट गिरा, दो घायल

डीबीडी संवाददाता । मालेगांव

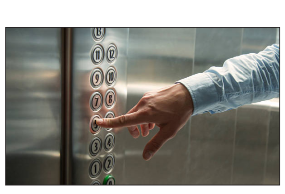

मालेगांव नगर निगम भवन में शनिवार को एक गंभीर हादसा हो गया, जब हाल ही में लगाई गई लिफ्ट ओवरलोड होने के कारण पांचवीं मंजिल से सीधे भूतल पर गिर गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और लिफ्ट के सुरक्षात्मक ढांचे को तोड़कर अंदर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस हादसे में दो लोग घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, नगर निगम में महापौर पद का चुनाव आयोजित किया गया था, जिसमें इस्लाम पार्टी की पार्षद नसरीन बानो शेख महापौर चुनी गईं। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद उनके समर्थक बड़ी संख्या में उन्हें बधाई देने पहुंचे। इसी दौरान कई लोग एक साथ लिफ्ट में सवार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक लिफ्ट का दरवाज़ा ठीक से बंद नहीं हो रहा था और दो बार चेतावनी अलर्ट की आवाज भी सुनाई दी थी, लेकिन कुछ ही क्षण बाद लिफ्ट के तार टूट गए और वह अचानक नीचे गिर गई। हादसे में विलास पवार समेत एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ है। दोनों का उपचार जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे भवन में अफरा-तफरी मच गई।

बालकुम में वाहनों की संख्या में भारी वृद्धि

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

पिछले कुछ वर्षों में ठाणे के बालकुम इलाके में पीरामल वैकुंठ, दोस्ती वेस्ट काउंटी, लोढ़ा अमारा और रुनवाल गार्डन सिटी जैसे बड़े हाउसिंग कॉम्प्लेक्स बनने से यहाँ की आबादी और वाहनों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। हालाँकि, इस बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में ट्रैफिक सिस्टम और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार नहीं हो पाया है। इसके परिणामस्वरूप स्थानीय नागरिकों को रोजाना भीषण जाम का सामना करना पड़ रहा है और क्षेत्र में दुर्घटनाओं की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

ट्रैफिक सिस्टम और बुनियादी सुविधाओं का नहीं हो पाया विस्तार

जनसुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक सुझाव

निरीक्षण के दौरान विधायक ने इस बात पर जोर दिया कि पुराने मुंबई–आगरा मार्ग के किनारे स्कूल और मनपा स्वास्थ्य केंद्र स्थित हैं, जिसके कारण बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को सड़क पार करने में काफी खतरा रहता है। उन्होंने ट्रैफिक जाम और हादसों को रोकने के लिए प्रमुख चौकों पर सिग्नल प्रणाली लगाने और सड़क के चौड़ीकरण का सुझाव दिया। साथ ही, भारी वाहनों के कारण होने वाले जाम को नियंत्रित करने के लिए सख्त उपाय करने के निर्देश भी दिए गए ताकि पैदल यात्रियों और वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

विधायक द्वारा स्थलीय निरीक्षण और निर्देश

ट्रैफिक की गंभीर स्थिति को देखते हुए विधायक संजय केलकर ने हाल ही में पुराने मुंबई–आगरा मार्ग का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ट्रैफिक विभाग, ठाणे मनपा और एमएमआरडीए के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर जमीनी हकीकत का जायजा लिया। केलकर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस क्षेत्र की यातायात व्यवस्था में तत्काल सुधार करें और प्रस्तावित बदलावों को समय पर लागू करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बुनियादी ढांचे में सुधार के बिना बढ़ती आबादी की चुनौतियों से नहीं निपटा जा सकता।

नकली सोने के ज़रिए ठगी, 28 लाख का चूना

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

डोंबिवली इलाके में स्थित एक सराफ को 28 लाख रुपए मूल्य के नकली सोने के ज़रिए ठग लिया गया। आरोपी ने अपनी माँ के चुनावी उम्मीदवार होने का बहाना बनाकर सराफ से सोना गिरवी रख लिया और पैसे ले लिए, फिर बाद में नकली होने के कारण मामला सामने आया। इस धोखाधड़ी का मामला विष्णुनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है।

फ़रवरी की शुरुआत में प्रवीण पाटील नाम का एक युवक सराफ के पास गया और कहा कि उसकी माँ बदलापूर नगर परिषद चुनाव लड़ रही है इसलिए पैसे की तात्कालिक जरूरत है। उसने 14 ग्राम की सोने की साखली गिरवी रखकर 1,10,000 लिए और बाद में क्रमानुसार कुल 281 ग्राम सोना (लगभग 28 लाख रुपए मूल्य) गिरवी रखा। उसके साथी राहुल रुपेश चव्हाण भी इस दौरान उसके साथ मौजूद थे।

टेस्ट में खुला चौकाने वाला सच

सराफ ने गिरवी रखे गए सोने को प्रमाणित करने के लिए उसे एक कम्प्यूटिंग दुकान पर ले जाकर जांच करवाया। जांच में सोने का वास्तविक वजन और गुणात्मक विश्लेषण किया गया, और परिणाम यह निकला कि यह नकली सोना है — सोने की शुद्धता मात्र 0.302 % और 0.072 कैरेट पाई गई, जो असली सोने के बिल्कुल विपरीत था।

फिर दर्ज हुई शिकायत और मामला

जब यह स्पष्ट हुआ कि सोना नकली है, तो सराफ तरून पोरिया ने प्रवीण पाटील और उसके साथी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। कथित तौर पर पिछले दो साल में इसी तरह डोंबिवली–कल्याण के कई सराफ़ों को नकली सोने से करोड़ों रुपए का नुक़सान उठाना पड़ा है, जिससे यह एक संगठित धोखाधड़ी का हिस्सा माना जा रहा है।

पुलिस जांच और सावधान रहने की सलाह

पुलिस ने मामला दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की पहचान व गिरफ्तारी की कोशिशें जारी हैं। इस घटना ने व्यापारियों के बीच सजगता की जरूरत को और अधिक उजागर किया है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सोना गिरवी रखने से पहले विश्वसनीय लैब जांच और शुद्धता प्रमाणन अवश्य कर लेना चाहिए ताकि ऐसे झूठे दावों से बचा जा सके।

13 करोड़ रुपए से अधिक की हेरोइन जब्त

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

अंडरवर्ल्ड से जुड़े शख्स समेत तीन गिरफ्तार

शहर में अपराध शाखा ने विशेष अभियान चलाकर चार किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की है। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 13 करोड़ रुपए से ज्यादा आंकी गई है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

गिरफ्तार आरोपियों में से एक का कथित तौर पर मुंबई के पुराने अंडरवर्ल्ड से संबंध बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, उसका नाम 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों की जांच में भी सामने आ चुका है। शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि वह लंबे समय तक विदेश में फर्जी पहचान के साथ रह रहा था और बाद में चुपचाप भारत लौट आया।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमरसिंह जाधव ने बताया कि पहली कार्रवाई दिवा इलाके में एक स्कूल के पास की गई, जहां से एक आरोपी के पास से बड़ी मात्रा में हेरोइन मिली। पूछताछ के आधार पर उसके कथित सप्लायर को भी गिरफ्तार किया गया। दूसरी कार्रवाई घोड़बंदर क्षेत्र में हुई, जहां एक ऑटो चालक के पास से करोड़ों रुपए की हेरोइन बरामद की गई।

मुख्य आरोपी पर हत्या, अपहरण, जबरन वसूली और फर्जी पासपोर्ट जैसे गंभीर आरोप पहले से दर्ज बताए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि 1990 के दशक में उसका अंडरवर्ल्ड में अच्छा खासा दबदबा था और कई आपराधिक गिरोहों से संपर्क रहे हैं। उसके पुराने नेटवर्क की भी अब दोबारा जांच की जा रही है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों का कहना है कि यह खेप कहां से आई और किन लोगों तक पहुंचाई जानी थी, इसकी गहन जांच जारी है। पुलिस अन्य संभावित तस्करों और इस अंतरराज्यीय नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान करने में जुटी हुई है।

आरएसएस किसी के खिलाफ नहीं न ही सत्ता की इच्छा : भागवत

शताब्दी समारोह से जुड़े कार्यक्रम को संघ प्रमुख ने संबोधित किया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह के अवसर पर मोहन भागवत ने स्पष्ट किया कि संघ किसी भी व्यक्ति या समूह के विरुद्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि संघ का लक्ष्य न तो सत्ता हासिल करना है और न ही लोकप्रियता पाना। उन्होंने 'पथ संचलन' का संदर्भ देते हुए स्पष्ट किया कि यह कोई अर्धसैनिक बल का अभ्यास या शक्ति प्रदर्शन नहीं है, बल्कि अनुशासन का प्रतीक है। भागवत ने यह भी दोहराया कि आरएसएस प्रत्यक्ष रूप से राजनीति में शामिल नहीं है, भले ही इसके कुछ सदस्य व्यक्तिगत रूप से राजनीतिक जीवन में सक्रिय हों।

स्वतंत्रता आंदोलन और विभिन्न सुधारक

अपने संबोधन में भागवत ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उभरी विभिन्न विचारधाराओं और महान समाज सुधारकों के योगदान को याद किया। उन्होंने राजा राम मोहन रॉय, स्वामी विवेकानंद और दयानंद सरस्वती जैसे महापुरुषों का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे उनके विचारों ने देश की नींव को मजबूत किया। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा कांग्रेस की स्थापना 'सुरक्षा वाल्व' के रूप में किए जाने और बाद में भारतीयों द्वारा इसे आजादी के एक सशक्त साधन में बदलने की ऐतिहासिक यात्रा पर भी प्रकाश डाला।

क्रांतिकारी गतिविधियां और 'कोकेन' कोडनेम

कोलकाता प्रवास के दौरान हेडगेवार के क्रांतिकारी समूहों से जुड़ाव पर चर्चा करते हुए भागवत ने एक दिलचस्प वाकया साझा किया। उन्होंने बताया कि हेडगेवार ने 'कोकेन' कोडनेम के तहत गुप्त कार्य किए थे। उन्होंने रास बिहारी बोस की पुस्तक का संदर्भ देते हुए बताया कि एक बार पुलिस ने कोकेनचंद्र नामक व्यक्ति की तलाश में गलती से हेडगेवार को हिरासत में ले लिया था।

डॉ. हेडगेवार का संघर्ष और जीवन यात्रा

संघ प्रमुख ने आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के प्रारंभिक जीवन और उनके कठिन संघर्षों के बारे में बताया। उन्होंने साझा किया कि कैसे 13 वर्ष की अल्पायु में ही हेडगेवार ने प्लेग के कारण अपने माता-पिता को खो दिया था। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने अपनी शिक्षा जारी रखी और स्कूल के दिनों से ही 'वंदे मातरम' आंदोलन जैसे क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय रहे। हेडगेवार की मैट्रिक की शिक्षा के बाद नागपुर के लोगों द्वारा उन्हें मेडिकल की पढ़ाई के लिए कोलकाता भेजने का भी जिक्र किया गया।

दिग्गज हस्तियों की उपस्थिति

मुंबई में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख लोग शामिल हुए। विशेष रूप से फिल्म अभिनेता सलमान खान, फिल्म निर्माता सुभाष घई और मशहूर गीतकार व लेखक प्रसून जोशी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने। इन दिग्गजों की उपस्थिति में भागवत ने आरएसएस की पिछले सौ वर्षों की यात्रा, समाज के उत्थान में इसकी भूमिका और संगठन के भविष्य के दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा की।

अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़

मुंबई। भारतीय तटरक्षक बल ने एक सुनियोजित समुद्री और हवाई अभियान चलाकर एक अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। यह गिरोह संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से अवैध रूप से तेल और तेल-आधारित कार्गो लाकर उसे अन्य क्षेत्रों में भेजने का काम करता था। 5 फरवरी को मुंबई तट से लगभग 100 समुद्री मील दूर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में तटरक्षक बल के जहाजों ने घेराबंदी कर तीन संदिग्ध जहाजों को पकड़ने में सफलता हासिल की।

जांच में यह खुलासा हुआ है कि इस तस्करी रैकेट के तार कई देशों से जुड़े हुए हैं। इस गिरोह में विभिन्न देशों के दलाल शामिल थे, जो समुद्र के बीचों-बीच जहाजों से माल की बिक्री और हस्तांतरण का समन्वय करते थे। तटरक्षक बल की बोर्डिंग टीमों ने जहाजों की गहन तलाशी ली और चालक दल से पूछताछ की, जिससे पता चला कि अपराधी कानून से बचने के लिए अक्सर अपने जहाजों की पहचान बदलते रहते थे।

निगरानी प्रणाली से हुई संदिग्धों की पहचान

इस सफल अभियान की शुरुआत तटरक्षक बल की उच्च तकनीक वाली निगरानी प्रणाली के माध्यम से हुई। भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ) के भीतर एक मोटर टैंकर की संदिग्ध गतिविधियों को ट्रैक किया गया। डेटा पैटर्न विश्लेषण और डिजिटल जांच से पता चला कि दो अन्य जहाज भी उसी टैंकर की ओर बढ़ रहे थे, जिनका उद्देश्य अवैध रूप से जहाज-से-जहाज (STS) तेल का हस्तांतरण करना था।

राजस्व की बड़ी चोरी और कानूनी कार्रवाई

तस्करी की इस कार्यप्रणाली का मुख्य उद्देश्य भारत जैसे तटीय राज्यों को देय भारी सीमा शुल्क (Customs Duty) की चोरी करना था। सस्ते तेल को अवैध रूप से खुले समुद्र में स्थानांतरित कर बाजार में खपाया जा रहा था। तटरक्षक बल ने भौतिक तलाशी के बाद डिजिटल साक्ष्यों की पुष्टि होने पर तीनों जहाजों को जब्त कर लिया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, इन जहाजों के मालिक विदेशों में बैठकर इस अवैध धंधे को संचालित कर रहे थे। पकड़े गए तीनों जहाजों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई बंदरगाह लाया जा रहा है। यहाँ भारतीय सीमा शुल्क (Customs) और अन्य संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियां गहन जांच करेंगी।

मुंबई लोकल ट्रेन के महिला डिब्बे में बुर्का पहन कर घुसा संदिग्ध

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की सेंट्रल रेलवे लोकल ट्रेन के महिला आरक्षित डिब्बे में एक संदिग्ध व्यक्ति के घुसने से शनिवार शाम हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सीएसएमटी की ओर जा रही ट्रेन जब घाटकोपर स्टेशन के पास पहुंच रही थी, तभी बुर्का पहने एक व्यक्ति महिला डिब्बे में दिखाई दिया। महिला यात्रियों को उस पर संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने उसे घेरकर पूछताछ शुरू की और घटना का वीडियो भी रिकॉर्ड किया।

घाटकोपर पहुंचते ही चलती ट्रेन से कूदा

बताया गया कि संदिग्ध व्यक्ति घबराया हुआ था और सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं दे रहा था। जैसे ही ट्रेन घाटकोपर स्टेशन पर रुकी, वह अचानक विपरीत दिशा की ओर प्लेटफॉर्म पर कूद गया। इसके बाद वह प्लेटफॉर्म पर खड़ी कर्जत फास्ट ट्रेन में चढ़कर मौके से फरार हो गया। महिला यात्रियों ने तुरंत रेलवे पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद आसपास के स्टेशनों पर जांच अभियान चलाया गया, लेकिन उसका पता नहीं चल सका।

रेलवे पुलिस की जांच तेज, सुरक्षा पर सवाल

घाटकोपर आरपीएफ ने रेलवे एक्ट की धारा 162 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुर्ला जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीमें सीसीटीवी फुटेज और वीडियो क्लिप्स के आधार पर संदिग्ध की पहचान करने में जुटी हैं। पुलिस को शक है कि हाल ही में बुर्का पहनकर की गई एक अन्य वारदात से भी उसका संबंध हो सकता है। इस घटना के बाद मुंबई लोकल ट्रेनों में महिला यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फिर सवाल उठने लगे हैं।

चार साल बाद फिर गूंजेगा बीएमसी सभागार

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका (BMC) के सभागार की कार्यवाही लगभग चार साल के अंतराल के बाद फिर से शुरू होने जा रही है। 16 फरवरी से सभागार की बैठकें शुरू होंगी, जिसे लेकर सत्ता पक्ष ने आगामी बैठकों और विभिन्न समितियों के गठन का विस्तृत कार्यक्रम तय किया है। इसी सिलसिले में मार्च महीने में बजट सत्र आयोजित किए जाने की भी संभावना जताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 फरवरी को होने वाली पहली सभा में कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। इसी दिन नेता प्रतिपक्ष का चयन किया जाएगा और विभिन्न स्थायी व विषय समितियों के सदस्यों का चुनाव भी संपन्न होगा। लंबे समय बाद शुरू हो रही इस कार्यवाही को प्रशासनिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे मनपा की निर्णय प्रक्रिया फिर से रफ्तार पकड़ेगी।

24 फरवरी को एक विशेष सभा आयोजित की जाएगी, जिसमें पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस अवसर पर शोक प्रस्ताव पेश कर पूरे दिन के लिए सभागार की कार्यवाही स्थगित रखी जाएगी। इस विशेष सत्र को राजनीतिक और भावनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बांद्रा सहित कई इलाकों में पानी कटौती

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई पश्चिम उपनगर के बांद्रा-खार सहित कई इलाकों में मंगलवार, 10 फरवरी को जलापूर्ति बाधित रहेगी। मुंबई महानगरपालिका के अनुसार, पाली हिल रिजर्वॉयर से जुड़ी 900 मिमी व्यास की इनलेट पाइपलाइन में रिसाव की मरम्मत के लिए यह कटौती की जा रही है। यह कार्य बांद्रा वेस्ट में कुरैशी नगर स्लम के पास म्हाडा के खाली प्लॉट और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के किनारे किया जाएगा। मनपा प्रशासन ने बताया कि मरम्मत कार्य मंगलवार सुबह 10 बजे से रात 12 बजे तक चलेगा। इस दौरान एच वेस्ट विभाग के कई इलाकों में कुल लगभग 14 घंटे तक जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। प्रशासन ने नागरिकों से पानी का संयमित उपयोग करने और पहले से पानी संग्रहित रखने की अपील की है।

जहां नहीं आएगा पानी

बांद्रा पश्चिम के हिल रोड, पेरी रोड, मैनुअल गोंसाल्वेस मार्ग, सेंट एंड्रयूज रोड, सेंट पॉल रोड, कार्टर रोड, पाली गांव, चिंबई गांव, शेरली गांव, कांतवाड़ी, खार डांडा, कोलीवाड़ा, डांडपाड़ा, चुइम गांवथन, गजधरबंध स्लम, खार वेस्ट का हिस्सा, लक्ष्मी नगर, यूनियन पार्क रोड नंबर 1 से 4, पाली हिल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रोड क्षेत्र, चैपल रोड, वेरोनिका रोड, डॉ. पीटर डायस रोड, सेंट जॉन बैपटिस्ट रोड, माउंट मैरी कैथेड्रल, के.सी. रोड, एल.के. मेहता रोड, बाज़ार रोड का कुछ हिस्सा, ए.के. वैद्य मार्ग, ज़िगजैग रोड, कोलडोंगरी, नरगिस दत्त रोड और पाली माला रोड में पानी नहीं आएगा।

कम दबाव से पानी और सलाह

हिल रोड के अंतिम हिस्से से ताज लैंड्स एंड, बी.जे. मार्ग, एच.के. भाभा मार्ग, केन मार्ग और गणेश स्लम क्षेत्रों में रात 1 बजे से सुबह 4.30 बजे तक सीमित समय के लिए कम दबाव से पानी की आपूर्ति होगी। मनपा ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे अगले कुछ दिनों तक पानी उबालकर और छानकर पीएं तथा अनावश्यक पानी की बर्बादी से बचें।

जारी रहेगा गर्म मौसम का प्रभाव

मुंबई। मुंबई में आगामी दिनों में गर्मी का असर बना रहने की संभावना है, और तापमान सामान्य से अधिक दर्ज हो सकता है। हालिया मौसम आंकड़ों के अनुसार शहर में दिन का अधिकतम तापमान 30 C से ऊपर बना हुआ है, जिससे लोगों को गर्मी का अनुभव हो रहा है। मुंबई में समुद्र की ओर से आने वाली हवाओं के पैटर्न में बदलाव के कारण यह स्थिति बनी हुई है।

फरवरी के महीने में आमतौर पर मौसम ठंडा रहता है, लेकिन इस बार तापमान में असामान्य वृद्धि देखी जा रही है। तापमान में यह वृद्धि पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) और हवाओं के बदलते दिशा के कारण हुई है, जिससे दोपहर के समय तापमान ऊँचा बना रहता है। आने वाले कुछ दिनों तक इसी तरह गर्मी का असर जारी रहने की उम्मीद है।

आने वाले दिनों में संभावित मौसम रुझान

विशेषज्ञों के अनुसार अगले कुछ दिनों तक मुंबई में गर्म और शुष्क मौसम रहने की संभावना है और समुद्री हवाओं का सामान्य पैटर्न जल्द नहीं लौटने पर तापमान बढ़ा रह सकता है। यह मौसम शहर में उमस और गर्मी दोनों के साथ महसूस होगा, इसलिए लोगों को धूप और गर्मी से बचाव के लिए सावधान रहने की सलाह दी जाती है।

पश्चिम रेलवे

विविध कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए),पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008 निम्नलिखित कार्यों के लिए क्रमांक 1:**निविदा सूचना संख्या: BCT/25-26/310 दिनांक: 03.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान:** (1) मुंबई सेंट्रल कारशेड - वॉशिंग लाइन संख्या 15 की व्यापक मरम्मत। (2) मुंबई सेंट्रल कारशेड - लाइन संख्या 8 एवं 12 (पश्चिम दिशा) की पुरानी एवं असुरक्षित ए.सी. शीट की जगह नई शीट लगाना, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके एवं वर्षा जल के प्रवेश को रोका जा सके। **कार्य की अनुमानित लागत:** 3,74,62,055.30 ईएमडी: 3,37,300/- क्रमांक 2: निविदा सूचना संख्या: BCT/25-26/311 दिनांक: 03.02.2026 कार्य एवं स्थान: एम.एम. कॉलोनी - 730 दिनों की अवधि के लिए टैंकरों द्वारा पीने योग्य पानी की आपूर्ति। कार्य की अनुमानित लागत: 43,47,200/- ईएमडी: 87,000/- दोनों निविदाओं की जमा करने की तिथि एवं समय: दिनांक 27.02.2026 को 15.00 बजे तक दोनों निविदाओं के खोलने की तिथि एवं समय: दिनांक 27.02.2026 को 15.30 बजे अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in 1086

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

मध्य रेल

सोलापुर मण्डल

सीसीटीवी कार्य

मध्य रेल कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी और से दिनांक को बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिये ई निविदा आमंत्रित करते है: ई-निविदा सूचना क्र.: SUR-C-WKS-CCTV-GDS-SHED. **कार्य का नाम:** Provision of CCTV facility in 10 goods sheds over Solapur division., **अनुमानित लागत रु.:** ₹ 14614457.59, **बयाना रक्कम:** ₹ 223100.00, **समापन की अवधी:** 6 महीने। **अनुरक्षण की अवधी:** 12 महीने। **ई निविदा फार्म की किमत:** शून्य। **वेबसाइट ई निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तारिख और समय:** 02.03.2026 को 15.00 बजे तक। **वेबसाइट ई निविदा खोलने की तारिख और समय:** 02.03.2026 को 15.30 बजे के बाद। **वेबसाइरट विवरण: www.ireps.gov.in** नोट: संभावित निविदा देने वालों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा बंद होने की तारीख से पहले इस टेंडर के लिए जारी किए गए किसी भी बदलाव/शुद्धिपत्र को देखने के लिए वेबसाइट पर बार-बार आते रहें। वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** EXP-07

टिकट के लिए UTS App डाउनलोड करे

दादर स्टेशन पर सक्रिय ठग गिरोह का पर्दाफाश

टैक्सी चालक गिरफ्तार, 4 टैक्सी जब्त

मुंबई। दादर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को ठगने वाले टैक्सी चालकों के एक गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। माटुंगा पुलिस स्टेशन की टीम ने कार्रवाई करते हुए 7 टैक्सी चालकों को गिरफ्तार किया है, जबकि इस मामले में इस्तेमाल की जा रही 4 टैक्सियों को जब्त किया गया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादासाहब घुटुकड़े ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है और अन्य संलिप्त आरोपियों की भी तलाश की जा रही है।

मीठी बातों में फंसाकर करते थे ठगी

पुलिस के अनुसार आरोपी चालक दादर स्टेशन पर सुबह के समय प्लेटफॉर्म से बाहर निकलने वाले यात्रियों को निशाना बनाते थे। वे बातचीत में उलझाकर यात्रियों को स्टेशन के बाहर खड़ी अपनी टैक्सियों तक ले जाते थे। वहां पहले से मौजूद अन्य साथी चालकों की मदद से वे यात्रियों से 500 रुपये का नोट दिखाने के लिए कहते थे और हाथ की सफाई से नोट बदलकर 100 रुपये का नोट वापस कर देते थे। असली नोट टैक्सी के अंदर गिरा दिया जाता था। टैक्सी के भीतर नीली लाइट लगाई जाती थी, ताकि अंदर साफ दिखाई न दे और ठगी का पता तुरंत न चल सके।

पश्चिम रेलवे

सतह दोष पहचान का कार्य

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक,कैरिज रिपेयर वर्कशॉप,पश्चिम रेलवे,एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल,मुंबई - 13 निम्नलिखित कार्य हेतु **ई-निविदा संख्या: WR-PL-ME-EST-702892,दिनांक: 02.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम एवं स्थान:** एलएचबी (LHB) व्हील सेट्स परईसीए (एडी करंट एरे) विधि द्वारासतह दोषों की पहचान (Surface Defect Detection) का कार्य। **मात्रा:** 24,000 व्हील सेट्स **कार्य की अनुमानित लागत:** 1,97,46,240/- ईएमडी: 2,48,700/- निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 24.02.2026 को 12:00 बजे तक,निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 24.02.2026 को 12:30 बजे अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 1089

हमें लाइक करें: : X.com/WesternRly

आदेश 5 नियम 1 व 5 सी.पी.सी.

न्यायालय श्रीमान सिविल जज सीनियर डिविजन शामली एट कैराना

वाद सख्या - १८१ सन् २०२५

श्रीमति पूजा सिंघल विधवा - स्व. श्री अरविन्द्र कुमार, निवासी मौहल्ला मिल रोड, निकट हिन्दू कन्या इन्टर कालेज, शामली परगना व तहसील शामली, जिला शामली ..... **वादीया**

श्रीमति पूजा सिंघल आदि बनाम **धीरेन्द्र कुमार आदि**

श्रीमति रमा गोयल पत्नि श्री मुकेश कुमार गोयल, पुत्री स्व. श्री महेन्द्र कुमार, निवासी मुम्बई महाराष्ट्र मोबाईल नम्बर ९८३३३५२७३५ ..... **प्रतिवादीया**

वादिया ने वाद हाजा आपके विरूद्ध दायर किया जिसमें आपको हुक्म होता है कि दिनांक २५.०२.२०२६ को समय १० बजे दिन के स्वंय या द्वारा वकील के जो मुकदमे के हालात से पूर्ण वाकिब किया गया हो और मुकदमे सम्बन्ध मुख्य प्रशनो के उत्तर दे सके या जिसके साथ कोई ओर व्यक्ति हो जो ऐसे प्रशनों के उत्तर दे सके हाजिर हो और जवाब देही दावा की करे और उसी रोज अपने जुमला गवाहो की जिनकी गवाही पर निजी तमाम दस्तावेजो का जिन पर आप अपने जवाब देही की ताइद मे दाखिल करना चाहते हो पेष्टा करे अगर आप उपरोक्त तारीख पर हाजिर न होगे तो मुकदमा बगेर हाजरी आपके खिलाफ सुना जाऐगा।

मेरे हस्ताक्षर और मुहर अदालत के आज दिनोंक ०४.०२.२०२६ को जारी किया गया

मुहर

आज्ञा से / मुन्सरिम
(सिविल जज सी. डिशामली एट कैराना)
जनपद शामली

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ठोस कचरा प्रबंधन (SWM) विभाग, आर/दक्षिण प्रभाग

क्रमांक: AE/RS/8390/SWM दिनांक: 06.02.2026

निविदा सूचना

विषय: आर/दक्षिण प्रभाग कार्यालय, बादशाह बिल्डिंग, कांदिवली (पश्चिम) एवं कल्पतरु बिल्डिंग, कांदिवली (पूर्व) में दैनिक आधार पर हाउसकीपिंग कार्य हेतु संस्था की नियुक्ति।

आर/दक्षिण प्रभाग कार्यालय, बादशाह बिल्डिंग (कांदिवली पश्चिम) एवं कल्पतरु बिल्डिंग (कांदिवली पूर्व) में 175 दिनों की अवधि के लिए दैनिक सफाई कार्य हेतु, भविष्य निधि (PF) एवं कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ESI) में पंजीकृत गैर-सरकारी संस्था (NGO) अथवा निजी कंपनी से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। यह आवेदन लॉटरी प्रणाली द्वारा कार्य आवंटन हेतु पात्रता सूची तैयार करने के लिए आमंत्रित किए जा रहे हैं।

इच्छुक आवेदक सहायक अभियंता (SWM), आर/दक्षिण प्रभाग कार्यालय से 3630/- + 18% GST आवेदन शुल्क तथा 24,888/- जमानत राशि (EMD) का भुगतान कर आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र दिनांक 09.02.2026 से 13.02.2026, प्रातः 10.30 बजे से सायं 4.00 बजे तक किसी भी CFC केंद्र में नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। पात्रता सूची में सम्मिलित संस्थाओं/कंपनियों को EOI की शर्तों के अनुसार सहायक आयुक्त द्वारा लॉटरी प्रणाली से कार्य आवंटित किया जाएगा।

अधिक जानकारी, आवेदन पत्र एवं शपथ-पत्र के नमूने हेतु इच्छुक संस्थाएं आर/दक्षिण प्रभाग कार्यालय से संपर्क कर सकती हैं अथवा महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in पर अवलोकन कर सकती हैं।आर/दक्षिण प्रभाग कार्यालय में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 13.02.2026, सायं 5.00 बजे तक, निर्धारित दिनांक एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। इस विज्ञापन से संबंधित सभी अधिकार सहायक आयुक्त, आर/दक्षिण प्रभाग के पास सुरक्षित रहेंगे एवं उनका निर्णय संबंधित संस्था/कंपनी पर बाध्यकारी रहेगा।

सही/-
सहायक आयुक्त
आर/दक्षिण प्रभाग

पीआरओ/2912/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

डर के सहारे प्रचार : अब सख्त कार्रवाई का समय

दिल्ली और अन्य शहरों से लोगों के अचानक गायब होने की खबरों ने पिछले दिनों पूरे देश में चिंता और भय का माहौल पैदा कर दिया। सोशल मीडिया पर तेजी से फैलती इन खबरों ने आम लोगों को बेचैन कर दिया। बाद में जब इन दावों की सच्चाई पर सवाल उठे और यह चर्चा सामने आई कि यह सब एक फिल्म के प्रचार से जुड़ा हो सकता है, तो यह मामला केवल अफवाह का नहीं, बल्कि संवेदनाओं के साथ खुले खिलवाड़ का प्रतीक बन गया। मानव तस्करी, गुमशुदा बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा जैसे विषय बेहद संवेदनशील हैं। ये सिर्फ आंकड़े नहीं होते, बल्कि इनके पीछे हजारों परिवारों का दर्द, उम्मीद और संघर्ष छिपा होता है। ऐसे मुद्दों को प्रचार का हथियार बनाना न केवल अनैतिक है, बल्कि समाज के प्रति गहरी संवेदनहीनता को भी दर्शाता है। अगर किसी फिल्म के प्रचार के लिए लोगों के डर और असुरक्षा को भड़काने की कोशिश की गई है, तो यह सारी सीमाएं पार करने जैसा है। प्रचार की दुनिया में प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मानवता को ताक पर रख दिया जाए। झूठे या भ्रामक आंकड़ों के सहारे चर्चा बटोरना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। इससे समाज में अविश्वास पैदा होता है और असली समस्याओं की गंभीरता भी कम हो जाती है। जब लोग बार-बार झूठी खबरों से दो-चार होते हैं, तो वे असली खतरे को भी हल्के में लेने लगते हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए घातक है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस फिल्म का विषय महिलाओं की सुरक्षा और अपराध के खिलाफ लड़ाई है, उसी के प्रचार से जुड़ी अफवाहें लोगों में डर फैलाने का कारण बन रही हैं। यह उस मूल भावना के ही विपरीत है, जिसके नाम पर ऐसी फिल्में बनाई जाती हैं। समाज के जख्मों पर मरहम लगाने के बजाय अगर उन्हें कुरेदकर प्रचार किया जाए, तो यह कला नहीं, बल्कि नैतिक दिवालियापन है। ऐसे पीआर तंत्र की सख्त आलोचना जरूरी है। प्रचार के नाम पर डर फैलाने वालों ने सारी हदें पार कर दी हैं। उन्हें यह समझना होगा कि समाज का भरोसा खिलौना नहीं है, जिसे मनमर्जी से तोड़ा-मरोड़ा जा सके। फिल्म का प्रचार उसके कंटेंट, उसके संदेश और उसकी गुणवत्ता से होना चाहिए, न कि अफवाहों और दहशत से। अब यह मामला केवल नैतिक आलोचना तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सरकार को ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। यदि जांच में यह साबित होता है कि जानबूझकर झूठी या भ्रामक सूचनाएं फैलाकर डर का माहौल बनाया गया, तो दोषियों पर सख्त कानूनी कदम उठाए जाने चाहिए। इससे एक स्पष्ट संदेश जाएगा कि प्रचार की भी एक मर्यादा होती है और उसे लांघने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सोशल मीडिया के इस दौर में अफवाहें पलक झपकते फैल जाती हैं। इसलिए जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। डर बेचने की यह संस्कृति अगर अभी नहीं रोकी गई, तो कल कोई भी किसी भी विषय पर अफवाह फैलाकर अपना हित साधने लगेगा। तब न समाज सुरक्षित रहेगा, न सच का सम्मान होगा। समय की मांग है कि प्रचार की इस अंधी दौड़ पर लगाम लगे। मानवता को ताक पर रखकर बनाई गई रणनीतियों पर सख्त रोक लगे और जिम्मेदार लोगों को कानून के दायरे में लाया जाए। क्योंकि किसी भी सभ्य समाज में प्रचार से ज्यादा मूल्यवान इंसान की संवेदना और विश्वास होता है।

सहकारिता विभाग : मानवता के भविष्य की दिशा

आलोक सिंह
अपर जिला सहकारी अधिकारी
तहसील ऊंचाहार
जनपद रायबरेली

जब लोग मिलकर काम करते हैं, तो विकास का लाभ कुछ लोगों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचता है। सहकारिता मानवता को यह सिखाती है कि प्रतिस्पर्धा से अधिक शक्तिशाली सहयोग होता है। सहकारिता विभाग केवल एक प्रशासनिक संरचना नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है। इसकी सोच साझेदारी की है, इसका सफर संघर्ष और सफलता से भरा है, और इसका भविष्य मानवता के संतुलित विकास में निहित है।

सहकारिता केवल एक सरकारी विभाग या प्रशासनिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह मानव समाज की उस मूल भावना का विस्तार है जिसमें लोग मिल-जुलकर अपने हितों की रक्षा करते हैं। सहयोग, साझेदारी और सामूहिक विकास की भावना ही सहकारिता का आधार है। इसका मूल सिद्धांत है कि अकेला व्यक्ति सीमित शक्ति रखता है, लेकिन संगठित समाज असीमित संभावनाओं का निर्माण कर सकता है। सहकारिता का विचार मानव सभ्यता जितना पुराना है। जब मनुष्य ने समूहों में रहना शुरू किया, तभी से उसने सामूहिक श्रम और सामूहिक लाभ की अवधारणा को अपनाया। खेती, जल प्रबंधन, सुरक्षा और व्यापार जैसी गतिविधियाँ मिलकर करने की परंपरा ही सहकारिता का प्रारंभिक रूप थी। आधुनिक सहकारी आंदोलन की शुरुआत 1844 में इंग्लैंड के रोचडेल पायनियर्स से मानी जाती है। 28 मजदूरों ने मिलकर एक उपभोक्ता सहकारी संस्था बनाई, जहाँ वे उचित मूल्य पर वस्तुएँ खरीद-बेच सकते थे। यही मॉडल आगे चलकर दुनिया भर में सहकारी आंदोलन की प्रेरणा बना। भारत में सहकारिता का औपचारिक आरंभ 1904 में "कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी एक्ट" से हुआ। इसका उद्देश्य किसानों को साहूकारों के ऊँचे ब्याज से बचाकर सस्ता ऋण उपलब्ध कराना था। स्वतंत्रता के बाद सहकारिता को ग्रामीण विकास और सामाजिक न्याय का महत्वपूर्ण साधन माना गया। आज सहकारिता भारत की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन चुकी है। देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी समितियाँ कार्यरत हैं, जिनसे 30 करोड़ से अधिक सदस्य जुड़े हुए हैं। इन समितियों का दायरा कृषि, डेयरी, बैंकिंग, आवास, मत्स्य, श्रम, उपभोक्ता सेवाओं और लघु उद्योगों तक फैला हुआ है। दुग्ध सहकारिता इसका सबसे सफल उदाहरण है। भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, जिसमें सहकारी डेयरी संस्थाओं का बड़ा योगदान है। अमूल जैसे

सहकारी मॉडल ने लाखों किसानों को स्थायी आय का स्रोत दिया और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया। सहकारी बैंकों और क्रेडिट सोसायटियों के माध्यम से लाखों छोटे किसान, कारीगर और व्यापारी सस्ती दरों पर ऋण प्राप्त कर पाते हैं। अनुमान है कि देश के ग्रामीण ऋण का एक बड़ा हिस्सा सहकारी संस्थाओं के माध्यम से ही वितरित होता है। इससे आर्थिक समावेशन को बढ़ावा मिला है और छोटे लोगों को भी आर्थिक अवसर प्राप्त हुए हैं। भविष्य में सहकारिता को केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रखना, बल्कि इसे आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना आवश्यक है। पहला लक्ष्य ग्रामीण स्वावलंबन को मजबूत करना होना चाहिए। किसान उत्पादक संगठनों, डेयरी, मत्स्य और वन उत्पाद सहकारिताओं के माध्यम से गांवों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। इससे किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और बिचौलियों की भूमिका कम होगी। दूसरा लक्ष्य सहकारिता में तकनीक और पारदर्शिता लाना है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन लेखा-जोखा और पारदर्शी प्रबंधन से सहकारी संस्थाएँ अधिक प्रभावी और भरोसेमंद बन सकती हैं। तीसरा लक्ष्य महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाना है। आज देश में लाखों महिला स्वयं सहायता समूह सहकारिता के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। यदि युवाओं को सहकारी स्टार्ट-अप और नवाचार से जोड़ा जाए, तो यह आंदोलन नई ऊर्जा प्राप्त कर सकता है। सहकारिता का महत्व केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय भी है। यह व्यवस्था समानता, न्याय और साझेदारी की भावना को मजबूत करती है। सहकारिता गरीब और कमजोर वर्ग को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। यह सामाजिक असमानता को कम करती है और संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित करती है। सहकारी संस्थाओं में निर्णय लोकतांत्रिक तरीके से लिए जाते हैं, जिससे लोगों में भागीदारी और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। यह व्यवस्था आत्मनिर्भर समाज की नींव रखती है। जब लोग मिलकर काम करते हैं, तो विकास का लाभ कुछ लोगों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचता है। सहकारिता मानवता को यह सिखाती है कि प्रतिस्पर्धा से अधिक शक्तिशाली सहयोग होता है। सहकारिता विभाग केवल एक प्रशासनिक संरचना नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है। इसकी सोच साझेदारी की है, इसका सफर संघर्ष और सफलता से भरा है, और इसका भविष्य मानवता के संतुलित विकास में निहित है। यदि सहकारिता को पारदर्शिता, तकनीक और जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो यह न केवल अर्थव्यवस्था, बल्कि समाज और संस्कृति को भी नई ऊँचाई दे सकती है। सहकारिता का मूल संदेश यही है कि जब समाज साथ चलता है, तभी सच्चा विकास संभव होता है।

हमारी गीता

कुरुक्षेत्र – मन का धर्मयुद्ध

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे – यह केवल एक ऐतिहासिक स्थान का नाम नहीं, बल्कि हमारे जीवन का गहरा प्रतीक है। वेदव्यासजी ने जिस संवाद को शब्दों में बांधा, वह केवल युद्ध की कथा नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर चलने वाले संघर्ष का चित्रण है। गीता कोई साधारण ग्रंथ नहीं, बल्कि मन को दिशा देने वाला प्रकाश है। कुरु का अर्थ है करना और क्षेत्र का अर्थ है स्थान। इस प्रकार कुरुक्षेत्र वह स्थान है जहां कर्म होता है। बाहरी दुनिया में तो अनेक कुरुक्षेत्र हो सकते हैं, परंतु सबसे बड़ा कुरुक्षेत्र हमारा अपना मन है। जैसे ही नींद खुलती है, मन सक्रिय हो जाता है। आंखें खुलने से पहले ही मन में विचारों की हलचल शुरू हो जाती है—यह करना है, वहां जाना है, यह लेना है, वह छोड़ना है। हर कर्म का आरंभ मन में ही होता है। मन एक रंगमंच की तरह है। जैसे किसी नाटक या फिल्म के पीछे लेखक, निर्देशक, कलाकार और तकनीशियन मिलकर काम करते हैं, उसी प्रकार मन भी अनेक भूमिकाएं निभाता है। वह सोचता है, योजना बनाता है, निर्णय करता है और अंत में कर्म को आकार देता है।

यहीं पर धर्म और अधर्म का युद्ध चलता है। मन में दो विचार आमने-सामने खड़े हो जाते हैं। कोई वस्तु दिखे तो एक विचार कहता है—ले लो, तुम्हें चाहिए। दूसरा विचार कहता है—सोचो, क्या यह उचित है? तीसरा कहता है—नहीं, यह सही नहीं है। इस युद्ध में जिसकी जीत होती है, वही तय करता है कि हमारा मन धर्मक्षेत्र है या अधर्मक्षेत्र। पांडव संख्या में पांच थे, पर उनकी जीत हुई। वे हमारे मन के सद्विचार, सद्गुण और सद्प्रवृत्तियों के प्रतीक हैं। कौरव अधिक थे, पर वे दुर्विचार, स्वार्थ, क्रोध और लोभ के प्रतीक थे। हमारे भीतर भी यही युद्ध हर दिन चलता है। जब सद्विचारों की विजय होती है, तब हमारा मन धर्मक्षेत्र बन जाता है। यही गीता का संदेश है—बाहरी युद्ध से पहले अपने भीतर के कुरुक्षेत्र को पहचानो और वहां धर्म की जीत सुनिश्चित करो।

शख्सियत | गैलीलियो फेरारिस

संघर्ष, साधना और विज्ञान

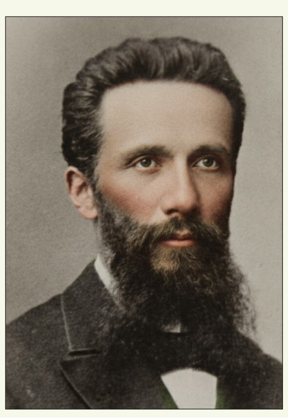

विज्ञान का इतिहास उन महान व्यक्तियों से भरा पड़ा है जिन्होंने अपने विचारों और खोजों से दुनिया को नई दिशा दी। ऐसे ही एक महान वैज्ञानिक थे गैलीलियो फेरारिस, जिनका नाम विद्युत और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है।

उन्होंने अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन अपने धैर्य, जिज्ञासा और निरंतर प्रयासों के बल पर विज्ञान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। गैलीलियो फेरारिस का जन्म 31 अक्तूबर 1847 को इटली के लिवोर्नो वेरचेल्लेज़े नामक स्थान पर हुआ था। उनका परिवार साधारण था और बचपन से ही उन्हें सीमित संसाधनों में जीवन बिताना पड़ा। आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी, लेकिन उनके भीतर ज्ञान पाने की तीव्र इच्छा थी। यही इच्छा उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रही। बचपन से ही फेरारिस को विज्ञान और गणित में गहरी रुचि थी। वे चीजों को समझने और उनके पीछे छिपे सिद्धांतों को जानने के लिए हमेशा उत्सुक रहते थे। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की। उस समय विज्ञान के क्षेत्र में शोध करना आसान नहीं था। प्रयोगशालाएं सीमित थीं, संसाधन कम थे और नए विचारों को स्वीकार करना समाज के लिए सहज नहीं था। इन कठिन परिस्थितियों के बावजूद फेरारिस ने अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया। वे घंटों तक प्रयोग करते, अध्ययन करते और नए सिद्धांतों पर काम करते रहते थे। उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान था घूमते हुए चुंबकीय क्षेत्र (Rotating Magnetic Field) का सिद्धांत, जिसने आगे चलकर इंडक्शन मोटर के विकास का मार्ग प्रशस्त किया। उस समय बिजली का उपयोग सीमित था और विद्युत मोटर की तकनीक प्रारंभिक अवस्था में थी। फेरारिस ने अपने शोध के माध्यम से यह सिद्ध किया कि दो चरणों की प्रत्यावर्ती धारा से एक घूमता हुआ चुंबकीय क्षेत्र बनाया जा सकता है, जो बिना किसी यांत्रिक संपर्क के मोटर को घुमा सकता है। यह खोज उस समय क्रांतिकारी मानी गई और आज भी आधुनिक विद्युत मोटरों का आधार इसी सिद्धांत पर टिका है। हालांकि उनके शोध का महत्व बहुत बड़ा था, लेकिन उन्हें अपने जीवनकाल में उतनी प्रसिद्धि और आर्थिक लाभ नहीं मिला, जितना मिलना चाहिए था। उस दौर में वैज्ञानिकों के लिए अपने शोध को सुरक्षित रखना और उसका पेटेंट कराना आसान नहीं था। फेरारिस ने अपने सिद्धांत का पेटेंट नहीं कराया, क्योंकि वे विज्ञान को मानवता की सेवा मानते थे। उनका मानना था कि ज्ञान पर किसी का एकाधिकार नहीं होना चाहिए। यह सोच उनके उच्च आदर्शों को दर्शाती है। उन्होंने व्यक्तिगत लाभ से अधिक समाज और विज्ञान की प्रगति को महत्व दिया। यही कारण है कि उनका जीवन आज भी वैज्ञानिकों और छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। फेरारिस केवल एक वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि एक समर्पित शिक्षक भी थे। उन्होंने ट्यूरिन विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थानों में पढ़ाया और अनेक छात्रों को विज्ञान के प्रति प्रेरित किया। उनके शिष्य आगे चलकर बड़े वैज्ञानिक और इंजीनियर बने। 7 फरवरी 1897 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनके सिद्धांत और खोज आज भी दुनिया भर में उपयोग हो रहे हैं। हर विद्युत मोटर, हर औद्योगिक मशीन और अनेक आधुनिक उपकरणों में उनके विचारों की झलक दिखाई देती है। गैलीलियो फेरारिस का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्चा वैज्ञानिक वही है जो ज्ञान को समाज की भलाई के लिए समर्पित करे।

जीवन ऊर्जा | मन्मथ नाथ गुप्ता : जन्म 7 फरवरी 1908 | जन्म

स्वार्थ से ऊपर राष्ट्र को रखना देशभक्ति है

वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के साहसी क्रांतिकारी और लेखक थे। किशोर अवस्था में ही वे क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़ गए और 1925 के प्रसिद्ध काकोरी कांड में भाग लिया। मन्मथ नाथ गुप्ता का जन्म 7 फरवरी 1908 को हुआ। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के साहसी क्रांतिकारी और लेखक थे।

किशोर अवस्था में ही वे क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़ गए और 1925 के प्रसिद्ध काकोरी कांड में भाग लिया। इस घटना के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लंबी सजा मिली, लेकिन जेल में भी उनका मनोबल नहीं टूटा। रिहा होने के बाद उन्होंने लेखन को अपना माध्यम बनाया और स्वतंत्रता आंदोलन के अनुभवों को पुस्तकों के जरिए लोगों तक पहुंचाया। उनका जीवन साहस, देशभक्ति और संघर्ष का प्रतीक रहा। उनका निधन 26 अक्टूबर 2000 को हुआ। क्रांति केवल बंदूक से नहीं, विचारों से होती है। देश के लिए जिया हुआ जीवन ही सच्चा जीवन है। स्वतंत्रता बलिदान मांगती है, सुविधा नहीं। जो युवा देश के लिए सोचता है, वही भविष्य गढ़ता है। साहस ही क्रांति की पहली शर्त है। अन्याय के सामने चुप रहना भी अपराध है। सच्चा देशभक्त वही है जो संकट में आगे खड़ा हो। संघर्ष से भागने वाले इतिहास नहीं बनाते। स्वतंत्रता की राह हमेशा कठिन होती है। बलिदान के बिना आजादी अधूरी है। देश प्रेम कोई नारा नहीं, एक जिम्मेदारी है। क्रांतिकारी पहले अपने भीतर की कमजोरी से लड़ता है। युवाओं की जागृति से ही राष्ट्र जागता है। अन्याय के खिलाफ उठी आवाज ही सच्ची क्रांति है। देश के लिए जिया गया हर क्षण अमर हो जाता है। विचारों की शक्ति किसी भी हथियार से बड़ी होती है। सच्ची आजादी

मन की बेड़ियां तोड़ने से मिलती है। देशभक्ति का अर्थ केवल शब्द नहीं, कर्म है। इतिहास उन्हीं का होता है जो जोखिम उठाते हैं। डर को हराकर ही विजय मिलती है। क्रांति का बीज साहस की मिट्टी में ही उगता है। देश के लिए त्याग ही सबसे बड़ा सम्मान है। संघर्ष ही जीवन को अर्थ देता है। सच्चा योद्धा वही है जो अन्याय से टकराए। राष्ट्र के लिए समर्पण ही सच्ची पूजा है। युवाओं की ऊर्जा ही देश की सबसे बड़ी पूंजी है। कर्तव्य से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। आजादी की कीमत हमेशा बलिदान से चुकानी पड़ती है। अपने देश के लिए खड़ा होना ही सच्ची वीरता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

गंगा में विसर्जित अस्थियां आखिर जाती कहां हैं

पतितपावनी गंगा को देव नदी कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार गंगा स्वर्ग से धरती पर आई और भगवान शिव की जटाओं में समाकर पृथ्वी पर प्रवाहित हुई। मान्यता है कि गंगा श्री हरि विष्णु के चरणों से निकली है, इसलिए इसका संबंध भगवान विष्णु और भगवान शिव दोनों से जुड़ा हुआ माना जाता है। यही कारण है कि गंगा को पापों का नाश करने वाली, मोक्ष देने वाली और पतितों को पवित्र करने वाली नदी कहा जाता है। हिंदू धर्म में गंगा के प्रति गहरी आस्था है। मान्यता है कि गंगा में स्नान करने से मनुष्य के पाप धुल जाते हैं और आत्मा को शांति मिलती है। इसी आस्था के कारण हर हिंदू की अंतिम इच्छा होती है कि उसकी अस्थियों का विसर्जन गंगा में किया जाए, ताकि उसे मोक्ष की प्राप्ति हो सके। धार्मिक कथाओं में एक प्रसंग आता है कि एक बार देवी गंगा श्री हरि विष्णु से मिलने वैकुण्ठ धाम गईं। उन्होंने कहा कि प्रभु, मेरे जल में स्नान करने से सभी मनुष्यों के पाप धुल जाते हैं, लेकिन इतने पापों का बोझ मैं कैसे सहन करूंगी? तब श्री हरि ने कहा कि जब साधु-संत और भक्तजन तुम्हारे जल में स्नान करेंगे, तो उनके पुण्य से तुम्हारे भीतर समाए पाप भी धुल जाएंगे। इस प्रकार गंगा का प्रवाह केवल जल का प्रवाह नहीं, बल्कि पुण्य और पवित्रता का प्रवाह माना गया। लेकिन एक प्रश्न अक्सर लोगों के मन में उठता है कि गंगा में विसर्जित अस्थियां आखिर जाती कहां हैं। सदियों से असंख्य लोगों की अस्थियां गंगा में प्रवाहित की जाती रही हैं, फिर भी नदी का अस्तित्व बना हुआ है और उसका प्रवाह निरंतर चलता रहता है। धार्मिक दृष्टि से माना जाता है कि गंगा में विसर्जित अस्थियां सीधे श्री हरि के चरणों में पहुंचती हैं और मृत आत्मा को वैकुण्ठ धाम की प्राप्ति होती है। यही विश्वास गंगा के प्रति लोगों की आस्था को और गहरा करता है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखें

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

तो गंगा का जल अपनी विशेष रासायनिक और जैविक गुणों के कारण अन्य नदियों से अलग माना जाता है। गंगा के पानी में कुछ ऐसे सूक्ष्म जीवाणु और खनिज तत्व पाए जाते हैं, जो जैविक पदार्थों को तेजी से विघटित करने की क्षमता रखते हैं। अस्थियों में मौजूद कैल्शियम और फास्फोरस धीरे-धीरे पानी में घुलकर सूक्ष्म जीवों और जलचर जीवों के लिए पोषक तत्व बन जाते हैं। इस प्रक्रिया में अस्थियां समय के साथ टूटकर पानी में विलीन हो जाती हैं और नदी के प्राकृतिक चक्र का हिस्सा बन जाती हैं। धार्मिक प्रतीकों के अनुसार भी इस प्रक्रिया को एक गहरे अर्थ से जोड़ा जाता है। हड्डियों में मौजूद गंधक को शक्ति का प्रतीक और पारद को शिव का प्रतीक माना जाता है। इस तरह जीवन के अंत में हर जीव शिव और शक्ति में ही विलीन हो जाता है। यह विचार जीवन और मृत्यु के बीच एक आध्यात्मिक संबंध को दर्शाता है। इस प्रकार गंगा में अस्थि विसर्जन केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आस्था, विज्ञान और प्रकृति के संतुलन का अद्भुत संगम है। गंगा का प्रवाह हमें यह संदेश देता है कि जीवन और मृत्यु एक ही चक्र के दो पहलू हैं, और अंततः हर जीव उसी परम सत्य में विलीन हो जाता है, जहां से उसका अस्तित्व आरंभ हुआ था। यदि हम आज से ही अपने पास मौजूद सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान देना शुरू कर दें, तो हमारा जीवन न केवल हमारे लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक सुंदर प्रेरणा बन जाएगा।

अपने विचार

पटना में नीट की आकांक्षी छात्रा के लिए न्याय की आवाज़ बनकर साथी सांसद पप्पू यादव जी मजबूती से खड़े हुए। उनकी गिरफ़्तारी साफ़ तौर पर राजनीतिक प्रतिशोध है ताकि जवाबदेही मांगने वाली हर आवाज़ को डराया और दबाया जा सके।

-राहुल गांधी
नेता, विपक्ष

देश में वर्तमान स्थिति को देखते हुए, जहां पहले धार्मिक आधार पर विभाजन हुआ और अब जाति के आधार पर हो रहा है। साथ ही यूजीसी दिशानिर्देशों में भी भेदभाव दिख रहा है, ऐसे में इस तरह का फिल्म टाइटल जारी करना उचित नहीं है। यह उसी समूह के खिलाफ रिवर्स लेबलिंग है।

- प्रियंका चतुर्वेदी
सांसद, शिवसेना

फिल्म एक काल्पनिक पुलिस ड्रामा है, जिसमें पंडत शब्द केवल एक काल्पनिक चरित्र का उपनाम है और यह किसी जाति, धर्म या समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करता। टाइटल से कुछ लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं, जिसके लिए वे क्षमाप्रार्थी हैं।

- नीरज पांडे
फिल्म निर्देशक

हमारी भ्रूण हत्या कराई जा रही है। जब मेरी मूंछ नहीं थी तो मुझ पर ईडी और सीबीआई की ओर से मुकदमा किया गया। भाजपा के साथ जाने के लिए जदयू ने ऐसा करवाया, लेकिन राजद अध्यक्ष और अपने पिता लालू प्रसाद की तरह मैं भी डरने या विचारधारा से समझौता नहीं करने वाला हूं।

-तेजस्वी यादव,
कार्यकारी अध्यक्ष, आरजेडी

अपने
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

'सप्तरंग महोत्सव 2026' का भव्य आगाज

ठाणे। ठाणे जिला परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तलवपाली स्थित गडकरी रंगायतन में 'सप्तरंग महोत्सव 2026' का भव्य आयोजन हुआ, जिसका उद्घाटन मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने किया। इस अवसर पर जिला परिषद की कार्यप्रणाली को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए GPF ऐप का भी शुभारंभ किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने कहा कि 'सप्तरंग महोत्सव 2026' जिला परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों की कला एवं रचनात्मकता को सामने लाने का एक अहम मंच है। उन्होंने सभी से उत्साहपूर्वक इसमें भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम के माध्यम से अधिकारियों और कर्मचारियों में छिपी कलात्मक प्रतिभा की झलक देखने को मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अविनाश फड़तरे सहित कार्यक्रम की पहल करने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

उर्दू जलसा में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन

भिवंडी। मुंबई की बज़्मे अहबाब फाउंडेशन और मुंबई विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग की ओर से विश्वविद्यालय परिसर में उर्दू जलसा के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान इंटर कॉलेज मेंहदी प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें मुंबई, भिवंडी सहित अन्य शहरों से बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मेंहदी प्रतियोगिता में जीएम मोमिन वीमेंस कॉलेज स्टडी सेंटर, भिवंडी की बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा खान अलफिजा आफताब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार हासिल किया। उन्हें यह सफलता मार्गदर्शक शिक्षिका सोफिया मोमिन के निर्देशन में मिली। इस उपलब्धि पर केएमई सोसायटी के पदाधिकारियों व सदस्यों, प्रधानाचार्य जिया-उर-रहमान अंसारी, वाईसीएमओयू स्टडी सेंटर की इंचार्ज सफा आगा, समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी तथा समस्त स्टाफ की ओर से छात्रा और मार्गदर्शक शिक्षिका को बधाई दी गई।

मीरा-भाईंदर में बनेगा विशाल डॉग शेल्टर

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर।

मीरा-भाईंदर शहर में बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। उत्तन–गोराई रोड पर 1.43 हेक्टेयर सरकारी जमीन पर 500 से अधिक कुत्तों की क्षमता वाला आधुनिक डॉग शेल्टर बनाया जाएगा। इस फैसले का उद्देश्य सड़कों पर घूमने वाले कुत्तों की संख्या नियंत्रित करना और नागरिकों, खासकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

आवारा कुत्तों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बाद राज्य सरकार ने सभी स्थानीय निकायों को आश्रय स्थल विकसित करने को कहा था। इसी के तहत नवंबर 2025 में जारी सरकारी निर्णय के बाद मीरा-भाईंदर मनपा ने जमीन की मांग की थी। अब सरकार की मंजूरी मिलने के बाद परियोजना को अमलीजामा पहनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

भूमि की कमी थी बड़ी अड़चन

मनपा क्षेत्र में पर्याप्त जमीन उपलब्ध न होना सबसे बड़ी चुनौती थी। आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने दिसंबर 2025 में राज्य सरकार से औपचारिक अनुरोध किया था। नगर विकास योजना में आरक्षित इस भूखंड को अब मनपा को हस्तांतरित करने की मंजूरी मिल गई है, जिससे लंबे समय से अटकी योजना को गति मिल सकेगी।

पकड़े गए कुत्तों को दोबारा सड़क पर नहीं छोड़ा जाएगा

नई नीति के तहत स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टेशनों, रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों से पकड़े गए आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया जाएगा। इसके बाद उन्हें नए शेल्टर में रखा जाएगा और दोबारा उसी जगह नहीं छोड़ा जाएगा। प्रशासन का मानना है कि इससे मानव–कुत्ता संघर्ष की घटनाओं में कमी आएगी।

नागरिकों की मांग—जल्द शुरू हो निर्माण कार्य

शहरवासियों ने फैसले का स्वागत तो किया है, लेकिन साथ ही मांग की है कि निर्माण कार्य में देरी न हो। उनका कहना है कि यदि परियोजना समय पर पूरी हुई, तो यह न सिर्फ आवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान देगी, बल्कि शहर में सुरक्षित और संतुलित सह–अस्तित्व की दिशा में भी बड़ा कदम साबित होगी।

11वें संस्कृति आर्ट फेस्टिवल का भव्य उद्घाटन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूती देते हुए 11वें संस्कृति आर्ट फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ किया गया। फेस्टिवल की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। उद्घाटन अवसर पर ठाणे की महापौर शर्मिला पिंपलोलकर, उपमहापौर कृष्णा पाटिल, ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, मनपा आयुक्त सौरभ राव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस वर्ष फेस्टिवल 'कला संगमाची विठ्ठलवारी' की संकल्पना पर आधारित है, जिसके तहत ढोल-मृदंग की थाप पर विठु मौली की भक्ति में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई।

शोभा यात्रा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

मर्दाना खेलों से सजी दिव्य शोभा यात्रा को ठाणेकरों से जबरदस्त प्रतिसाद मिला। उपवन तालाब की ठंडी हवा और विठुमौली के सान्निध्य में मशहूर शास्त्रीय गायक पंडित आनंद भाटे की मधुर आवाज़ ने माहौल को भक्तिमय बना दिया, मानो पंढरपुर स्वयं ठाणे उतर आया हो। फेस्टिवल में दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीतदादा पवार की स्मृति में आर्ट हॉल का नामकरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके साथ ही कथक नृत्यांगना मंजरी देव, अभिनेत्री सुधा चंद्रन, ओडिसी नृत्यांगना सुजाचा महापात्रा और भरतनाट्यम कलाकार दीपक मजूमदार की प्रस्तुतियां भी दर्शकों को देखने को मिलेंगी।

350वें शहीदी समागम के लिए प्रशासन अलर्ट

नवी मुंबई। नवी मुंबई के खारघर स्थित कॉर्पोरेट पार्क ग्राउंड पर 28 फरवरी और 1 मार्च को श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम "हिंद-दी-चादर" की तैयारियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। डिविजनल संभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने कार्यक्रम स्थल और व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित विभागों को समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए, ताकि इस ऐतिहासिक और प्रेरणादायी आयोजन में किसी प्रकार की कमी न रहे।

देश-विदेश से श्रद्धालुओं के आने की संभावना

राज्य सरकार के अल्पसंख्यक विभाग के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में सिख समुदाय के साथ–साथ सिक्कीकर, बंजारा, लबाना, मोहियाल, सिंधी, वाल्मीकि, वारकरी समाज और अन्य धार्मिक–सामाजिक समूह भागीदारी करेंगे। नवी मुंबई, मुंबई, पालघर, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग सहित देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा सेवा, स्वच्छता, भोजन, आवास, पेयजल और बिजली आपूर्ति जैसी सभी मूलभूत व्यवस्थाओं के लिए अलग–अलग समितियां बनाकर व्यापक स्तर पर

उच्चस्तरीय बैठक में तैयारियों की समीक्षा

कोंकण संभाग आयुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में रायगढ़ जिलाधिकारी किशन जवाले, अतिरिक्त आयुक्त फरोग मुकादम, उपायुक्त विजय म्हसल, पनवेल मनपा आयुक्त मंगेश चितले, पुलिस अधिकारियों सहित राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, मनपा और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जेएनपीए और सिडको के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। आयोजन की सुव्यवस्थित योजना के लिए प्रशासन, गुरुद्वारा प्रबंधन और विभिन्न सामाजिक संगठनों की सहभागिता से 25 समितियां गठित की गई हैं, जो अलग–अलग जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगी।

काला घोड़ा महोत्सव में बिके ट्रांसजेंडरों के 90 हजार के सामान

मुंबई। दक्षिण मुंबई में आयोजित काला घोड़ा महोत्सव इस बार सिर्फ कला और संस्कृति ही नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन की मिसाल भी पेश कर रहा है। महोत्सव में ट्रांसजेंडर समुदाय द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को लोगों ने खूब सराहा है। ट्रांसजेंडर सेल्फ-हेल्प ग्रुप 'उमंग' के पवेलियन में अब तक 90 हजार रुपये से अधिक के सामान की बिक्री हो चुकी है, जो समुदाय के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

बीएमसी की पहल से मिला अवसर

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) समाज के उन वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई योजनाएं चला रही है, जो अब तक आर्थिक रूप से पीछे रहे हैं। इसी पहल के तहत 'उमंग' सेल्फ–हेल्प ग्रुप को काला घोड़ा आर्ट फेस्टिवल में स्टॉल लगाने का अवसर दिया गया। फरवरी 2024 में के–पश्चिम विभाग में 'योगी रानी' और उनके 9 साथियों ने इस समूह की शुरुआत की थी। बीएमसी ने शुरुआती दौर में 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता और आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया। योगी रानी ने समूह के सदस्यों को ज्वेलरी बनाने की कला भी सिखाई, जिससे आज उनके उत्पाद बड़े मंच तक पहुंच सके हैं। इस वर्ष मनपा योजना विभाग की निदेशक डॉ. प्राची जांभेकर की पहल पर ग्रुप को प्रदर्शनी के लिए एक हॉल उपलब्ध कराया गया। यहां जूट बैग, आकर्षक आभूषण और सजावटी वस्तुओं को ग्राहकों ने खूब पसंद किया। अपनी सफलता पर खुशी जताते हुए योगी रानी ने कहा कि इस मंच ने उन्हें सम्मान के साथ अपनी कला दिखाने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है।

वैदिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न हुआ प्राण प्रतिष्ठा समारोह

नालासोपारा। नालासोपारा पूर्व के सेंट्रल पार्क स्थित जाई को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी और तुलिप गार्डन परिसर में नवनिर्मित मां विंध्यवासिनी मंदिर का मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह पूर्णाहुति और महाभंडारे के साथ संपन्न हो गया। मां विंध्यवासिनी मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन में वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। सोमवार, 2 फरवरी से शुक्रवार, 6 फरवरी तक चले कार्यक्रम में आचार्य सुधाकर शुक्ल, उप-आचार्य अशोक द्विवेदी, कर्म आचार्य गौरव द्विवेदी, उपासक अमित मिश्र तथा ब्राह्मण श्याम शंकर दुबे ने विभिन्न अनुष्ठान कराए।

महाभंडारा और भजन संध्या में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

शुक्रवार को पूर्णाहुति के बाद शाम 6 बजे से रात 11 बजे तक चले महाभंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भजन संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों ने भक्ति गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। समारोह में भाजपा के नवनिर्वाचित नगरसेवक निलेश चौधरी, जेपी सिंह, पंकज देशमुख, योगेश सिंह सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे। आयोजन की सफलता में जाई, तुलिप गार्डन और वैशाली पार्क सोसायटी के पदाधिकारियों, सदस्यों और स्थानीय निवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रथम महापौर राजीव पाटील के हाथों हुआ लोकार्पण

समारोह के दौरान वसई–विरार शहर मनपा के प्रथम महापौर राजीव पाटील के हाथों मंदिर का विधिवत लोकार्पण किया गया। प्राण प्रतिष्ठा के अंतर्गत वेदी निर्माण, देव आह्वान, देवाधिवास, देव पूजन, चंडी पाठ, मंत्र जाप, नगर परिक्रमा, स्नपन और न्यास जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ इन कार्यक्रमों में भाग लिया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।

मुंबई के विकास और सुधार के लिए पूरी प्रतिबद्धता : घाड़ी

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में डिप्टी मेयर पद के लिए महायुति की ओर से शिवसेना नेता संजय घाड़ी को उम्मीदवार घोषित किया गया है। वहीं, मेयर पद के लिए भाजपा पार्षद रितु तावड़े को प्रत्याशी बनाया गया है। नामों की घोषणा के बाद दोनों नेताओं ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है, जिससे मनपा की आगामी राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

संजय घाड़ी ने अपनी उम्मीदवारी पर विश्वास जताते हुए कहा कि मेयर, डिप्टी मेयर और विभिन्न समितियों के अध्यक्षों की भूमिका बेहद जिम्मेदारी भरी होती है। उन्होंने बताया कि वे वर्ष 2017 से 2022 तक स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य रह चुके हैं, जिससे उन्हें मुंबई के प्रशासनिक ढांचे और शहर की जमीनी समस्याओं की गहरी समझ है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मुंबई की सेवा का जो अवसर मिला है, उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे। संजय घाड़ी ने भाजपा और शिवसेना सहित महायुति के सभी नेताओं का आभार व्यक्त किया, विशेष रूप से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का, जिन्होंने उन पर विश्वास जताया। उन्होंने मतदाताओं का भी धन्यवाद करते हुए कहा कि जनता का समर्थन उनके लिए प्रेरणा है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृष विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

मिथुन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कर्क मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल–जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

कन्या चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म–कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय–विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी परो नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम–प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

धनु किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

मकर अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार–व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें।

कुंभ संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद–विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मीन प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार–व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

शनि-बृहस्पति युति का वैदिक ज्योतिषीय विश्लेषण

1. वैदिक ज्योतिष और सूर्य सिद्धांत का आधार : वैदिक ज्योतिष में, मिथुन लग्न (ज्योतिषीय राशिः मिथुन, तत्त्वः वायु, स्वामीः बुध) की कुण्डली में दशम भाव कर्म, व्यवसाय, सामाजिक प्रतिष्ठा, और जीवन में यश का प्रतीक है। दशम भाव का स्वामी मीन राशि का बृहस्पति होता है, जो ज्ञान, धर्म, और समृद्धि का कारक है। शनि और बृहस्पति की युति दशम भाव में होने पर यह एक जटिल और गहन संयोजन बनता है, क्योंकि शनि (कर्म, अनुशासन, विलंब) और बृहस्पति (ज्ञान, विस्तार, शुभता) परस्पर विरोधी प्रकृति के ग्रह हैं।

सूर्य सिद्धांत के अनुसार, ग्रहों की स्थिति और गति (खगोलीय गणित) का प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है। सूर्य सिद्धांत में ग्रहों की गति को सौर मंडल के केंद्र में सूर्य के सापेक्ष मापा जाता है, और शनि-बृहस्पति की युति का प्रभाव खगोलीय दृष्टिकोण से उनके राशिगत और नक्षत्रीय स्थिति पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, यदि यह युति मीन राशि (दशम भाव) में हो, तो यह बृहस्पति की स्वराशि में होगी, जिससे बृहस्पति की शक्ति बढ़ेगी, परंतु शनि की मंद गति और संकुचनकारी प्रवृत्ति बृहस्पति के विस्तार को सीमित कर सकती है।

खगोलीय गणितीय दृष्टिकोण: सूर्य सिद्धांत के आधार पर, शनि और बृहस्पति की युति का प्रभाव उनके अंशीय अंतर (degrees of conjunction) पर निर्भर करता है। यदि दोनों ग्रह 0-2 के अंतर पर हों, तो युति अत्यंत प्रबल होगी, जिसे ₹युति दोष₹ भी कहा जाता है। यदि अंतर 5-10 हो, तो प्रभाव मिश्रित होगा। सूर्य सिद्धांत में ग्रहों की गति और नक्षत्रीय स्थिति (जैसे, पूर्वभाद्रपद, उत्तरभाद्रपद, या रेवती नक्षत्र में युति) का विश्लेषण आवश्यक है।

2. ज्योतिषीय प्रभाव: मिथुन लग्न में दशम भाव में शनि-बृहस्पति युति के प्रभाव निम्नलिखित हैं:

कर्म और व्यवसायः शनि का प्रभाव कठिन परिश्रम, दीर्घकालिक लक्ष्य, और अनुशासित कार्यशैली को दर्शाता है। बृहस्पति ज्ञान, नीति, और नेतृत्व प्रदान करता है। इस युति से व्यक्ति शिक्षक, सलाहकार, वकील, प्रशासक, या आध्यात्मिक गुरु जैसे क्षेत्रों में सफलता पा सकता है। उदाहरणः यदि युति रेवती नक्षत्र में हो, जो बुध का नक्षत्र है, तो व्यक्ति व्यापार, लेखन, या संचार क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकता है।

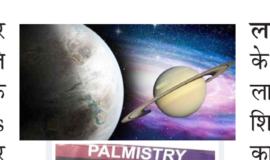

प्रियंका जैन
9769994439

लाभः बृहस्पति की शुभता के कारण दीर्घकालिक लाभ संभव है, विशेषकर शिक्षा, धर्म, या सामाजिक कार्यों से। शनि की उपस्थिति से यह लाभ धीरे-धीरे और स्थायी रूप से प्राप्त होता है। यदि युति मीन राशि में हो, तो व्यक्ति को विदेशी स्रोतों से लाभ या सामाजिक यश मिल सकता है।

हानिः शनि का प्रभाव कार्य में विलंब, बाधाएँ, और सामाजिक आलोचना ला सकता है। बृहस्पति की अति-आशावादी प्रकृति और शनि की संकुचनकारी प्रवृत्ति के मिश्रण से व्यक्ति निर्णय लेने में भ्रमित हो सकता है। यदि युति अशुभ दृष्टि (जैसे, मंगल या राहु) से प्रभावित हो, तो व्यवसाय में हानि या प्रतिष्ठा को क्षति हो सकती है। सामाजिक व्यवहारः यह युति व्यक्ति को गंभीर, दार्शनिक, और समाज के प्रति उत्तरदायी बनाती है।

व्यक्ति समाज में सुधारवादी या परंपरागत दोनों भूमिकाएँ निभा सकता है। उदाहरणः महात्मा गांधी की कुण्डली में शनि-बृहस्पति का प्रभाव उनके सामाजिक सुधार और अनुशासित जीवन में देखा जा सकता है।

बिहार में अप्रैल 2026 से शुरू होगी जनगणना

45 दिनों में पूरा होगा घर-घर सर्वे का काम

एजेंसी | पटना

बिहार में होने वाली जनगणना को लेकर राज्य सरकार ने आधिकारिक रूप से तारीखों की घोषणा कर दी है। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने बताया कि बिहार में जनगणना का काम दो फेजों में किया जाएगा। इसकी कुल अवधि करीब 45 दिन होगी। यह जिम्मेदारी राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के जनगणना विभाग को सौंपी गई है।

डिप्टी सीएम ने क्या बताया?

जनगणना का पहला चरण अप्रैल 2026 में शुरू होगा। इस दौरान मकानों और घरों से जुड़ी जानकारी जुटाई जाएगी। सिन्हा ने बताया कि यह चरण 17 अप्रैल से 1 मई 2026 तक चलेगा। इसके बाद दूसरा चरण शुरू होगा। इसमें घर-घर जाकर लोगों से जुड़ी पूरी जानकारी ली जाएगी। यह काम 2 मई से 31 मई 2026 तक पूरा किया जाएगा।

क्या- क्या जानकारी ली जाएगी?

इस सर्वे के दौरान हर परिवार की स्थिति, घर में उपलब्ध सुविधाएं और अन्य बुनियादी जानकारियां दर्ज की जाएंगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि पूरी प्रक्रिया जनगणना अधिनियम 1948 के तहत होगी और लोगों द्वारा दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। किसी भी जानकारी का दुरुपयोग नहीं किया जाएगा।

दूसरे फेज में क्या होगा?

इस बार की जनगणना को खास माना जा रहा है क्योंकि इसमें जाति से जुड़ी जानकारी भी शामिल की जाएगी। केंद्र सरकार पहले ही संसद में स्पष्ट कर चुकी है कि जनगणना हमेशा दो चरणों में होती है। दूसरे चरण में प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। इसी चरण में जाति से संबंधित सवाल भी जोड़े जाएंगे, ताकि देश और राज्य की सामाजिक संरचना की साफ तस्वीर सामने आ सके। विभाग ने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग भविष्य की योजनाओं, विकास कार्यों और नीतिगत फैसलों में किया जाएगा। इससे सरकार को यह समझने में मदद मिलेगी कि किन क्षेत्रों और वर्गों को किस तरह की सहायता की जरूरत है।

पुलिस और गो तस्करों के बीच मुठभेड़

हिस्ट्रीशीटर गो तस्कर घायल

एजेंसी | आजमगढ़

आजमगढ़ के अहरौला थाना क्षेत्र में पुलिस और गो तस्करों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। इस कार्रवाई में एक कुख्यात हिस्ट्रीशीटर गो तस्कर, जाकिर उर्फ सैफ, पुलिस की जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका एक अन्य साथी अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा। पकड़ा गया बदमाश जाकिर उर्फ सैफ एक शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ हत्या, गैंगस्टर एक्ट और गोवध निवारण अधिनियम जैसे गंभीर अपराधों के कुल आठ मुकदमे दर्ज हैं। वह अहरौला थाने का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस ने उसके पास से अवैध हथियार और तस्करी में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की है।

पुलिस की घेराबंदी और जवाबी कार्रवाई

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो संदिग्ध तस्कर गोवध के इरादे से सहराजा मोड़ से निजामपुर की ओर जा रहे हैं। ग्राम तरकूलहा के पास जब पुलिस ने मोटरसाइकिल सवार इन संदिग्धों को रोकने की कोशिश की, तो बदमाशों ने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं, जिससे मुख्य आरोपी जाकिर घायल होकर गिर पड़ा।

फरार साथी की तलाश में दबिश

मुठभेड़ के दौरान जाकिर का सहयोगी दिलशाद उर्फ लालू मौके से भाग निकला। पुलिस ने फरार अपराधी की धरपकड़ के लिए विशेष टीमों का गठन किया है और संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही दूसरे आरोपी को भी कानून के शिकंजे में ले लिया जाएगा।

इंस्पेक्टर, 2 दरोगा और 5 सिपाही समेत पूरी टीम पर एसपी का ऐक्शन

एजेंसी | बहराइच

बहराइच के पुलिस अधीक्षक (एसपी) रामनयन सिंह ने कर्तव्य पालन में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए शुक्रवार रात एक बड़ी कार्रवाई की। उन्होंने पयागपुर थाने की पूरी स्वाट (SWAT) टीम को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। इस कड़े फैसले के तहत टीम में शामिल एक इंस्पेक्टर, दो दरोगा और सात अन्य पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है, जिससे पूरे महकमे में हड़कंप मच गया है।

सपा नेता के पिता की हत्या का मामला

इस कार्रवाई के पीछे सबसे प्रमुख वजह 13 जनवरी की रात हुई एक नृशंस हत्या है। पयागपुर के बघेल ताल में सपा लोहिया वाहिनी के विधानसभा अध्यक्ष विवेक यादव के पिता जगदेव यादव की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। राजनीतिक रूप से संवेदनशील होने के बावजूद स्वाट टीम इस हाई-प्रोफाइल मामले में अपराधियों का सुराग लगाने में पूरी तरह विफल रही, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे थे।

अपराधों के खुलासे में विफलता

सिर्फ हत्याकांड ही नहीं, बल्कि क्षेत्र में हुई अन्य बड़ी वारदातों को सुलझाने में भी स्वाट टीम फिसड्डी साबित हुई। हाल ही में पयागपुर में एक ई-रिक्शा सवार महिला से 20 लाख रुपये के जेवर की टप्पेबाजी की घटना हुई थी। इसके अलावा, ननके नामक युवक की हत्या और इलाके में हुई कई बड़ी चोरियों के मामलों में भी टीम के हाथ अब तक खाली हैं। इन विफलताओं ने एसपी के धैर्य को जवाब दे दिया।

यमुना एक्सप्रेसवे पर बस से उतरे यात्रियों को टैंकर ने कुचला, छह की मौत

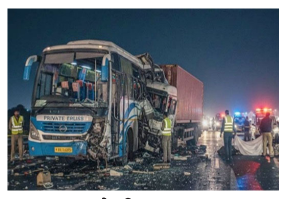

एजेंसी | मथुरा

यमुना एक्सप्रेसवे पर बस से उतरे यात्रियों को टैंकर ने कुचल दिया। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। कई घायल हुए हैं। हादसे से अफरा-तफरी मच गई। शनिवार तड़के यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए दर्दनाक हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि यह घटना रात करीब 2:45 बजे सुरीर थाना क्षेत्र में हुई। नोएडा से कानपुर के रसूलाबाद जा रही एक बस रास्ते में एक यात्री के वॉशरूम जाने के लिए रुकी थी। इसी दौरान तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक ने बस को साइड से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही छह यात्रियों की जान चली गई। थाना प्रभारी ने बताया कि घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

जौनपुर में कागजों में सिमटे 15 नए बी-पैक्स

सदस्य बनने के बाद भी किसानों को नहीं मिल रही सुविधाएं

जौनपुर : जौनपुर जनपद में सहकारिता के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने के सरकारी दावे जमीन पर असरदार साबित नहीं हो पा रहे हैं। एक साल पहले जिन 15 न्याय पंचायतों में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत बहुद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समितियां (बी-पैक्स) गठित की गई थीं, वे आज भी सिर्फ नाम की रह गई हैं। इन समितियों से जुड़े हजारों किसानों को न तो समय पर खाद मिल पा रही है और न ही बीज, जिससे उन्हें मजबूरन निजी दुकानों से महंगे दामों पर सामग्री खरीदनी पड़ रही है।

तकनीकी-प्रशासनिक लापरवाही बनी बड़ी बाधा

शासन के निर्देश पर सदस्यता अभियान चलाकर प्रत्येक समिति में करीब 200 किसानों को जोड़ा गया और उनकी ऋण सीमा भी तय की गई, लेकिन जमीनी स्तर पर लेन-देन और वितरण शुरू नहीं हो सका। बगल की समितियों के सचिवों को अतिरिक्त प्रभार देकर संचालन तो शुरू किया गया, पर तकनीकी और प्रशासनिक लापरवाही आड़े आ गई। अब तक कई समितियों को उर्वरक लाइसेंस नहीं मिल सका है, पैन कार्ड और बैंक खाते की प्रक्रिया अधूरी है। सीसीएल लिमिट तय न होने और धनाभाव के कारण खाद-बीज की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। फर्नीचर और अन्य संसाधनों के लिए भेजी गई दो-दो लाख रुपये की राशि भी अब तक समितियों तक नहीं पहुंची है।

दलमा बनेगा वर्ल्ड क्लास पर्यटन स्थल

30 कॉटेज और लग्जरी सफारी का शुभारंभ

जमशेदपुरः जमशेदपुर के दलमा वन्य प्राणी आश्रयणी को पर्यटन के दृष्टिकोण से नये सिरे से विकसित करने की दिशा में झारखंड सरकार ने ठोस पहल शुरू कर दी है. झारखंड के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने शनिवार को दलमा में पर्यटन विकास से जुड़े कार्यों की औपचारिक शुरुआत की. इस मौके पर उन्होंने दलमा के नीचे और टॉप एरिया में बनने वाले 30 कॉटेज का शिलान्यास सह भूमि पूजन किया. इसके साथ ही मंत्री ने जंगल भ्रमण के लिए सफारी सेवा का भी शुभारंभ किया. कार्यक्रम में ईंचागढ़ की विधायक सविता महतो, घाटशिला विधायक सोमेश सोरेन सहित कई जनप्रतिनिधि और वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे.

डीएफओ ने दी शुरू होने वाली सारी सुविधाओं की जानकारी

इस अवसर पर डीएफओ सबा आलम अंसारी ने प्रस्तावित और चालू सुविधाओं की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पर्यटकों की सुविधा के लिए दलमा क्षेत्र में पांच सफारी वाहन शुरू किये गये हैं, जिससे अब लोगों को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से जंगल भ्रमण का अवसर मिलेगा. साथ ही, वर्तमान में उपलब्ध कॉटेज की संख्या को दोगुना करने की योजना है, ताकि पर्यटकों को ठहरने में किसी प्रकार की परेशानी न हो.

यूट्यूबर शादाब के खिलाफ युवती ने दर्ज कराई एफआईआर

लखनऊ। एक महिला की शिकायत पर यूट्यूबर शादाब जकाती के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (ग्रामीण) अभिजीत कुमार ने बताया कि महिला द्वारा लिखित शिकायत के बाद इंचौली पुलिस थाना में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक धारा-64 (बलात्कार) सहित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं के तहत शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच के दौरान जुटाए गए सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक मवाना रोड स्थित इंचौली क्षेत्र की रहने वाली महिला ने जकाती पर दुष्कर्म सहित गंभीर आरोप लगाए। महिला ने मीडिया के सामने भी अपने आरोप दोहराए हैं। इस बीच,यूट्यूबर शादाब जकाती ने लगभग ढाई मिनट का एक वीडियो जारी कर अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया है। वीडियो में यूट्यूबर ने कहा कि महिला उनकी सहायता के लिए आई थी और उन्होंने मानवीय आधार पर उसके बच्चे की पढ़ाई, राशन और अन्य जरूरतों में मदद की थी।

एसबीआई ने रचा इतिहास, मुनाफा 21,000 करोड़ के पार

एजेंसी | नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने शनिवार को वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही (Q3FY26) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। बैंक ने बाजार की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए अब तक का सबसे अधिक त्रैमासिक स्टैंडअलोन मुनाफा दर्ज किया है। ऊंचे प्रोविजनिंग बफर और ब्याज आय में वृद्धि के दम पर बैंक की बैलेंस शीट पहले से और मजबूत हुई है।

अन्य आय और व्यय का गणित

बैंक की नॉन-इंटरेस्ट इनकम में 15.65 प्रतिशत की शानदार उछाल दर्ज की गई, जो बढ़कर 8,404 करोड़ हो गई। एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी ने प्रेस वार्ता में बताया कि इस मुनाफे में एसबीआई म्यूचुअल फंड से मिले 2,200 करोड़ के विशेष लाभांश का बड़ा योगदान है। इसके अलावा, फीस आय और राइट-ऑफ खातों से रिकवरी ने भी मुनाफे को सहारा दिया। हालांकि, बैंक का कुल खर्च भी बढ़ा है। यह आंकड़ा पिछले साल के 1,04,917 करोड़ से बढ़कर 1,08,052 करोड़ हो गया है।

एसेट क्वालिटी में सुधार, लेकिन प्रोविजनिंग बढ़ी

बैंक की एसेट क्वालिटी के मोर्चे पर अच्छी खबर है। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात 31 दिसंबर, 2025 तक घटकर 1.57 प्रतिशत हो गया है, जो सितंबर तिमाही में 1.73 प्रतिशत था। हालांकि, बैंक ने सतर्कता बरतते हुए प्रोविजनिंग में भारी बढ़ोतरी की है। इस तिमाही में कुल प्रोविजन 4,507 करोड़ रहे, जो पिछले साल की इसी तिमाही में मात्र 911 करोड़ थे। वहीं, नए स्लिपेज (नए फंसे कर्ज) का आंकड़ा बढ़कर 4,458 करोड़ हो गया, जो पिछले वर्ष 3,823 करोड़ था।

रिकॉर्ड तोड़ मुनाफा और ब्याज आय में वृद्धि

एसबीआई ने दिसंबर तिमाही में 21,028 करोड़ का स्टैंडअलोन शुद्ध मुनाफा दर्ज किया है, जो बैंक के इतिहास में अब तक का सर्वाधिक है। वहीं, समेकित आधार पर बैंक का मुनाफा 13.06 प्रतिशत बढ़कर 21,317 करोड़ हो गया है। बैंक की कमाई का मुख्य जरिया, यानी नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई), सालाना आधार पर 9.04 प्रतिशत बढ़कर 45,190 करोड़ रही, जो पिछले साल इसी अवधि में 41,446 करोड़ थी। यह वृद्धि 15.14 प्रतिशत की मजबूत लोन ग्रोथ के कारण संभव हो सकी है, हालांकि घरेलू नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) में 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी गई और यह 3.12 प्रतिशत पर आ गया।

आय फाइनेंस लिमिटेड ने एंकर इन्वेस्टर्स से जुटाए 454.5 करोड़

नई दिल्ली। नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी आय फाइनेंस लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले एंकर इन्वेस्टर्स से 454.5 करोड़ रुपये जुटाए हैं। ये इश्यू 9 फरवरी को पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। कंपनी ने शनिवार को स्टॉक एक्सचेंजों को बताया कि उसने एंकर इन्वेस्टर्स को 129 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से इक्विटी शेयर अलॉट किए हैं। एंकर इन्वेस्टर्स में भाग लेने वाले कुछ प्रमुख संस्थानों में न्यूयॉर्क स्टेट टीचर्स रिटायरमेंट सिस्टम, सोसाइटे जेनरल, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, बीएनपी पारिबा फाइनेंशियल मार्केट्स, बे पॉन्ड पार्टनर्स और इथान क्रीक मास्टर इन्वेस्टर्स (केमैन) शामिल हैं। आय फाइनेंस लिमिटेड के मुताबिक एंकर इन्वेस्टर्स को अलॉट किए गए।

विदेशी मुद्रा भंडार सर्वकालिक उच्च स्तर पहुंचा

एजेंसी | मुंबई।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 723.77 अरब डॉलर (करीब 65,000 अरब रुपये) के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के अनुसार, 30 जनवरी को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान इसमें 14.36 अरब डॉलर (करीब 1,250 अरब रुपये) की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में हुई 8.05 अरब डॉलर (करीब 720 अरब रुपये) की वृद्धि के बाद हुई है, जब मुद्रा भंडार 709.41 अरब डॉलर (करीब 63,800 अरब रुपये) तक पहुंच गया था।

सोने के भंडार में भी हुआ इजाफा

आरबीआई ने बताया कि 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान सोने के भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। यह 14.59 अरब डॉलर (करीब 1,310 अरब रुपये) बढ़कर 137.68 अरब डॉलर (करीब 12,300 अरब रुपये) हो गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, पिछले सप्ताह के दौरान भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (FCAs) 49.30 करोड़ डॉलर (करीब 4,430 करोड़ रुपये) घटकर 562.39 अरब डॉलर (करीब 50,580 अरब रुपये) रह गईं।

एसडीआर में भी हुई बढ़ोतरी

आंकड़ों से यह भी पता चला कि विशेष आहरण अधिकार (SDRs) में वृद्धि हुई है, जो समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 21.60 करोड़ डॉलर (करीब 1,940 करोड़ रुपये) बढ़कर 18.95 अरब डॉलर (करीब 1,705 अरब रुपये) हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के साथ भारत की आरक्षित स्थिति में भी 4.4 करोड़ डॉलर (करीब 395 करोड़ रुपये) की वृद्धि हुई, जिससे यह इस रिपोर्टिंग अवधि में 4.74 अरब डॉलर (करीब 425 अरब रुपये) हो गई।

एयर इंडिया ने दिल्ली हवाई अड्डे पर खोला महाराजा लाउंज

नई दिल्ली। टाटा समूह के स्वामित्व वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर अपना पहला प्रमुख महाराजा लाउंज खोला है। वैश्विक डिजाइन स्टूडियो हिर्श बेडनर एसोसिएट्स (HBA) द्वारा विकसित महाराजा लाउंज में सूक्ष्म परिष्कार और बारीकियों का अद्भुत संगम है। एयरलाइन के अनुसार, 16,000 वर्ग फीट में फैला यह लाउंज अपने बिजनेस क्लास और विशेष फर्स्ट क्लास के लगभग 300 यात्रियों को बैठने की व्यवस्था है।

जरूरत के हिसाब से बनाए अलग-अलग जोन

यह लाउंज 16 फरवरी से बिजनेस और फर्स्ट क्लास में यात्रा करने वाले यात्रियों, गोल्ड और प्लैटिनम महाराजा क्लब के सदस्यों और स्टार अलायंस के पात्र सदस्यों के लिए खुलने वाला है। इस लाउंज में जरूरतों के हिसाब से अलग-अलग जोन बनाए गए हैं, जिनमें आराम करने या काम करने के लिए जगह के साथ-साथ मेल-जोल का क्षेत्र भी शामिल हैं।

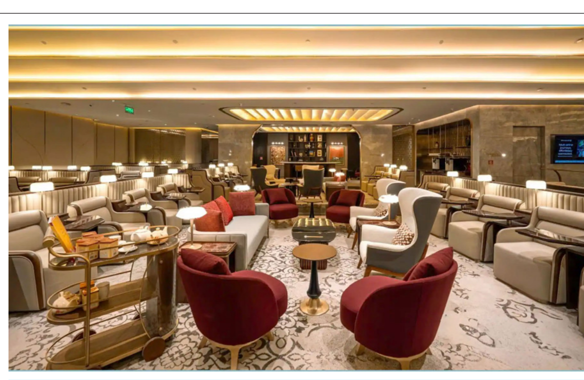

लाउंज में मिलेंगी ये सुविधाएं

फर्स्ट क्लास के मेहमानों को क्रिस्टल बार, स्लीप सुइट्स और रनवे के नजारे वाले डाइनिंग एरिया जैसी विशेष सुविधाओं का लाभ मिलता है। महाराजा लाउंज सभी मेहमानों के लिए भारतीय और अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों की विस्तृत रेंज मिलती है, जिसमें लाइव कुकिंग स्टेशन भी शामिल हैं। लाउंज में 'बेवरेज ऑन व्हील्स' सेवा भी उपलब्ध होगी, जिसमें खास कॉकटेल परोसे जाते हैं।

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने ऑस्ट्रेलिया के बाजार में दी दस्तक

सिडनी। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (RCPL) ने ऑस्ट्रेलिया की गुडनेस ग्रुप ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड (GGG) में बहुमत हिस्सेदारी हासिल कर ली है। इस सौदे के साथ RCPL ने ऑस्ट्रेलिया के तेजी से बढ़ते उपभोक्ता सामान बाजार में प्रवेश कर लिया है। साझेदारी के तहत कंपनी को GGG के प्रमुख स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ ब्रांड-नेक्सबा और पेस को भारत सहित नए बाजारों में बढ़ावा देने में मदद करेगी। पेस ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट कप्तान पैट कमिंस के साथ मिलकर बनाया गया एक हाइड्रेशन ब्रांड है।

इन बाजारों में है RCPL की उपस्थिति

रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी RCPL ने कहा कि इस अधिग्रहण से उसे गुडनेस ग्रुप के बेहतर स्वास्थ्य वाले पेय ब्रांड्स तक पहुंच प्राप्त होगी। कंपनी ने कहा कि यह अधिग्रहण सभी बाजारों में किफायती कीमतों पर वैश्विक गुणवत्ता प्रदान करने की उसकी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। वह पहले ही संयुक्त अरब अमीरात (UAE), कतर, ओमान, बहरीन, नेपाल और श्रीलंका जैसे प्रमुख वैश्विक बाजारों में प्रवेश कर चुकी है।

पैकेज्ड फूड सेगमेंट में किया था प्रवेश

पिछले साल दिसंबर में मुकेश अंबानी की कंपनी ने 75 साल पुराने प्रतिष्ठित ब्रांड SIL को अपने प्रमुख उत्पाद के रूप में दोबारा लॉन्च करके पैकेज्ड फूड सेगमेंट में प्रवेश किया। इसकी शुरुआत नूडल्स, जैम, केचप, सॉस और स्प्रेड सहित कई उत्पादों के पोर्टफोलियो से हुई है। दूसरी तरफ सिडनी स्थित गुडनेस ग्रुप ग्लोबल ऑस्ट्रेलिया समेत 21 अन्य वैश्विक बाजारों में उपभोक्ताओं को स्वास्थ्यवर्धक वैश्विक गुणवत्ता वाले पेय पदार्थों के विकल्प प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड में होगी कांटे की टक्कर

एजेंसी | चेन्नई

वेस्टइंडीज को मात देने के बाद अफगानिस्तान की टीम टी-20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ पूरे उत्साह के साथ उतरेगी। चेपॉक की पिच स्पिनरों के अनुकूल मानी जाती है, जहाँ राशिद खान, मुजीबुर रहमान और नूर अहमद की तिकड़ी न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती पेश कर सकती है। टीम की बल्लेबाजी का मुख्य दारोमदार रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान पर होगा। चूंकि मुकाबला सुबह 11 बजे शुरू होगा, इसलिए ओस का प्रभाव कम रहने की उम्मीद है, जो स्पिनरों को अपनी गेंदों पर बेहतर नियंत्रण रखने में मदद करेगा।

न्यूजीलैंड की वापसी की कोशिश और गेंदबाजी की चुनौतियां

भारत से सीरीज हारने के बाद न्यूजीलैंड अपनी गलतियों को सुधारकर लय हासिल करना चाहेगा। टीम के पास फिन एलेन, टिम सिफर्ट और रचिन रवींद्र जैसे विस्फोटक बल्लेबाज हैं, लेकिन भारत के खिलाफ मध्यक्रम की विफलता उनके लिए चिंता का विषय रही है। गेंदबाजी में टीम को लॉकी फर्ग्युसन की रफ्तार और मिचेल सेंटनर व ईश सोढी की स्पिन जोड़ी से काफी उम्मीदें हैं। दक्षिण अफ्रीका की मौजूदगी वाले इस कठिन ग्रुप में बने रहने के लिए न्यूजीलैंड को हर हाल में अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी में बेहतर तालमेल दिखाना होगा।

नेपाल के खिलाफ इंग्लैंड का पलड़ा भारी

दो बार का चैंपियन इंग्लैंड विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में नेपाल पर धमाकेदार जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगा। इस मुकाले में इंग्लैंड का पलड़ा भारी है। टीम की कमान युवा हैरी ब्रूक के हाथ में है। इंग्लैंड की टीम खिताब के दावेदार में शुमार है। इनके ग्रुप सी में इटली, स्कॉटलैंड और वेस्टइंडीज भी हैं। इंग्लैंड को पता है कि उसे पहले ही मैच से अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड ने पिछले 17 टी-20 में से 11 जीते हैं और पिछले साल दो ही हारे हैं। ओस के हालात में गेंदबाजी हालांकि चुनौती हो सकती है और ऐसे में अनुभवी आदिल रशीद काफी उपयोगी साबित होंगे। बल्लेबाजी के ब्रूक के साथ अनुभवी बटलर, साल्ट, डकेट और ऑलराउंडर सैम कुरेन भी हैं। नेपाल के लिए यह विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ने का एक और मौका है। पिछली बार वह दक्षिण अफ्रीका को हराने के करीब पहुंच गया था और दक्षिण अफ्रीका टीम सिर्फ एक रन से जीती थी। इसके अलावा बांग्लादेश को 106 रन पर आउट कर दिया था। नेपाल ने हाल ही में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को 2-1 से हराकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

श्रीलंका के सामने आयरलैंड की चुनौती

कोलंबो। खराब दौर से गुजर रही श्रीलंकाई टीम के सामने विश्व कप के ग्रुप बी के पहले मैच में रविवार को आयरलैंड की चुनौती होगी। श्रीलंका अपने घरेलू दर्शकों के सामने जीत के साथ आगाज करने की कोशिश करेगा। उसकी श्रीलंका की तैयारी अच्छी नहीं रही है। उसे घरेलू सीरीज में इंग्लैंड ने 3-0 से धोया था। टीम उन गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। श्रीलंका की समस्या प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रही है। इंग्लैंड के खिलाफ दबाव के हालात में उसके बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों नहीं चल सके। पूर्व चैंपियन श्रीलंका को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा। टीम कागजों पर मजबूत भी है। दासुन शनाका की कप्तानी वाली टीम को हरफनमौला प्रदर्शन करना होगा और सीनियर खिलाड़ियों पर बड़ी जिम्मेदारी रहेगी। शीर्षक्रम में निसांका और कुसल जैसे बल्लेबाज हैं। उनके अलावा कामिल मिशारा भी हैं जो बड़े टूर्नामेंट में अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। कुसल परेरा पर काफी कुछ निर्भर होगा जबकि मध्यक्रम में कामिंदु, असलंका और जनिथ भी हैं।

चिदंबरम स्टेडियम नई आउटफील्ड ड्रेनेज प्रणाली के साथ तैयार

चेन्नई। मशहूर एमए चिदंबरम स्टेडियम में आठ महीने मरम्मत के काम के बाद बेहतरीन आउटफील्ड और पानी के निकास के लिए अच्छी 'ड्रेनेज' प्रणाली के साथ टी-20 विश्व कप के लिए तैयार है। इसमें पहला मुकाबला रविवार को अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होगा। तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) के सचिव यू भगवानदास राव ने कहा, आउटफील्ड दोबारा बनाने और नियमित रखरखाव के कामों के साथ-साथ 'ड्रेनेज'प्रणाली को अपग्रेड करना अहम था। हमने पूरे ड्रेनेज सिस्टम को बदल दिया है और पूरी तरह से अपग्रेड किया है जिसमें मोटर, स्प्रिंकलर सिस्टम, स्टेडियम से बाहर निकलने वाला ड्रेनेज फ्लो, सब बदल दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने भी आउटफील्ड और ड्रेनेज प्रणाली का मुआयना किया। उसके अधिकारियों को स्टेडियम और सुविधाएं पसंद आईं।

चेतन और पुलकित ने रजत पदक पर लगाया दांव

जागरेब ओपन कुश्ती

जागरेब। भारत के चेतन और पुलकित ने जागरेब ओपन कुश्ती में 63 किग्रा ग्रीको-रोमन और महिलाओं के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक जीते। शुक्रवार को इसके अलावा अंजलि (62 किग्रा) और निशा दहिया (68 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। साल की पहली विश्व कुश्ती महासंघ (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) रैंकिंग सीरीज में भारत के पदकों की संख्या 11 हो गई है जिसमें एक स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक शामिल हैं।

फाइनल में ईरानी से हारे

ग्रीको-रोमन वर्ग में चेतन ने क्वालीफायर में कजाखस्तान के दस्तान जारलिखानोव को 7-6 से हराया। फिर क्वार्टर में सर्बिया के देजान बेरकेच को 9-0 से मात दी। चेतन ने सेमीफाइनल में ईरान के पूर्व वशिव चैंपियन मेयसम डालखानी को 14-5 से चौंकाकर फाइनल में जगह बनाई। हालांकि स्वर्ण मुकाबले में उन्हें ईरान के एरफान बेहनाम जारकानी से 8-4 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। महिलाओं की 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप की चैंपियन पुलकित ने रजत जीता। उन्होंने स्वीडन की एग्नेस न्यग्रेन को 10-1 से और रोमानिया की क्रिस्टा इन्से को 2-0 से मात दी। क्रोएशिया की मारियाना सुम्सकी के चोटिल होने पर उन्हें वॉकओवर मिला। हालांकि, दिन के अपने पहले मुकाबले में जापान की नाना इकेहाता से 3-1 से हार के चलते पुलकित रजत तक ही पहुंच सकीं।

अंजलि को कांस्य पदक

अंजलि ने क्रोएशिया की लाना नोगिक पर 12-0 से जीत दर्ज की। फिर क्वार्टर फाइनल में ब्राजील की लाइस नून्स को 5-3 से हराया। सेमीफाइनल में उन्हें स्वीडन की जोहाना लिंडबॉर्ग से 10-0 से हार झेलनी पड़ी। फिर कांस्य मुकाबले में अंजलि ने साथी भाग्यश्री को 5-4 से हराकर पोडियम पर जगह बनाई। महिलाओं के 68 किग्रा वर्ग में निशा दहिया ने भी रेपेचेज से कांस्य पदक तक का सफर तय किया। प्री-क्वार्टर में उन्होंने अजरबैजान की बिरगुल सोल्तानोवा को मात दी, पर क्वार्टर में तुर्किये की ओलंपियन नेसरीन बाश से 10-0 से हार गईं। रेपेचेज में निशा ने जर्मनी की लॉरा कोहलर को हराया। कांस्य मुकाबले में अमेरिका की ओलंपिक रजत पदक विजेता कैनेडी ब्लेड्स के चोट के कारण वॉकओवर देने से निशा को पदक मिला।

न्यूज़ ब्रीफ

अंडर-19 टीम को 7.5 करोड़ रुपये का इनाम

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंडर-19 विश्व कप खिताब जीतने वाली भारतीय टीम के लिए साढ़े सात करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने छठी बार अंडर-19 चैंपियन बनने वाली भारतीय टीम, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ और जूनियर क्रिकेट कमेटी के लिए साढ़े सात करोड़ रुपये के पुरस्कार की घोषणा की है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर सैकिया ने लिखा, भारत के इंग्लैंड को हराकर अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप जीतने के बाद पूरा देश खुश है... हमने विजेता टीम के लिए 7.5 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की है। शुक्रवार को हरारे में टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से हराकर छठी बार खिताब जीता था।

नागल दिल्ली ओपन में भारतीय चुनौती की करेंगे अगुवाई

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल डीएलटीए पर 16 से 22 फरवरी तक होने वाले दिल्ली ओपन एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। ब्रिटेन के जे क्लार्क भी इसमें भाग ले रहे हैं। एकल मुख्य ड्रॉ में भारत से सिर्फ नागल को सीधे प्रवेश मिला है। चैलेंजर सर्किट पर लगातार खेलने वाले नागल घरेलू हालात का फायदा उठाना चाहेंगे। प्रतिभाशाली मानस धामने और करण सिंह 15 फरवरी को एकल क्वालिफायर खेलेंगे।

श्रीलंका के अनुरोध पर सरकार से बात करेगा पीसीबी

एजेंसी | कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) टी-20 विश्व कप में 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार के फैसले पर पुनर्विचार करने के श्रीलंका क्रिकेट के अनुरोध पर अपनी सरकार से बात करेगा। पीसीबी ने अपनी टीम को विश्व कप खेलने की अनुमति दे दी लेकिन भारत के खिलाफ खेलने से मना किया है। आईसीसी और प्रसारकों के लिए भारत-पाकिस्तान मैच सबसे ज्यादा कमाई करने वाला होता है।

पाकिस्तान अपने सारे मैच कोलंबो और पाल्लेकल में खेल रहा है। श्रीलंका ने पीसीबी को ईमेल भेजकर कहा है कि भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलने के पाकिस्तान के फैसले से श्रीलंका क्रिकेट को भारी आर्थिक नुकसान होगा जो टूर्नामेंट का सह मेजबान है। इसके अलावा श्रीलंका क्रिकेट और टूर्नामेंट की छवि को भी ठेस पहुंचेगी।

नकवी ने दिया आश्वासन

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने सीधे मोहसिन नकवी से संपर्क करके कहा है कि इस समय श्रीलंका को पाक के सहयोग की जरूरत है क्योंकि भारत और पाकिस्तान का मैच नहीं होने से श्रीलंका बोर्ड को टिकटों की बिक्री और आतिथ्य सेवाओं की बिक्री से मिलने वाले राजस्व में भारी नुकसान होगा। सूत्र ने बताया कि नकवी ने शम्मी सिल्वा को आश्वासन दिया है कि वह सरकार से बात करेंगे।

आईसीसी ने पीसीबी से मांगा जवाब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान से यह स्पष्ट करने को कहा है कि भारत के खिलाफ विश्व कप मैच खेलने से इनकार को सही ठहराने के लिए 'फोर्स मेज्योर (अप्रत्याशित या नियंत्रण से बाहर की स्थिति)' प्रावधान कैसे लागू किया जा सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस मामले में सरकार पर जिम्मेदारी डालते हुए खुद को स्थिति से अलग करने की कोशिश की थी। आईसीसी ने पीसीबी से पूछा है कि जब टीम सरकार के निर्देशों के तहत बाकी मैच खेलने को तैयार है, तो एक मुकाबले से हटने का फैसला कैसे जायज ठहराया जा सकता है। पीसीबी ने कुछ दिन पहले आधिकारिक तौर पर आईसीसी को पत्र लिखकर 'फोर्स मेज्योर' प्रावधान लागू करने की मांग की थी। इसमें सरकार के उस सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया था, जिसमें 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले भारत के खिलाफ मैच से टीम को दूर रहने का निर्देश दिया था।

बॉ ली वु ड

सिनेमाघरों में फिर लौटी 'सैयारा'

बेलेंटाइन डे 2026 के खास मौके को और यादगार बनाने के लिए अहान पांडे और अनीत पड्डा की सुपरहिट रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट आई है। करीब आठ महीने पहले रिलीज हुई इस म्यूजिकल लव स्टोरी ने अपनी ताज़ा और दिल छू लेने वाली केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया था। अब वेलेंटाइन वीक के दौरान फैंस को दोबारा उसी इमोशनल सफर से जोड़ने के लिए फिल्म को री-रिलीज किया गया है। वैलेंटाइन डे से पहले फैंस को सरप्राइज देते हुए 'सैयारा' 7 फरवरी से चुनिंदा सिनेमाघरों में दोबारा दिखाई जा रही है। हालांकि निर्माताओं की ओर से औपचारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म्स पर फिल्म के शो लिस्ट हो चुके हैं। मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और पुणे जैसे बड़े शहरों के कुछ थिएटर्स में 7 से 13 फरवरी तक फिल्म के विशेष शो रखे गए हैं, ताकि दर्शक फिर से बड़े पर्दे पर इस रोमांटिक सफर का आनंद ले सकें। साल 2025 में रिलीज हुई 'सैयारा' से अहान पांडे ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी, जबकि अनीत पड्डा पहली बार लीड एक्ट्रेस के रूप में नजर आई थीं। डेब्यू फिल्म में ही दोनों की मासूम और भावनात्मक केमिस्ट्री ने युवाओं के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की। सोशल मीडिया पर फिल्म के गाने, डायलॉग्स और रोमांटिक सीन खूब वायरल हुए थे, जिससे यह जोड़ी रातों-रात दर्शकों की पसंदीदा बन गई।

'हेरा फेरी 3' पर फिर संकट राइट्स को लेकर नया विवाद

बॉलीवुड की चर्चित कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'हेरा फेरी' एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह फिल्म नहीं बल्कि उसके राइट्स को लेकर खड़ा हुआ कानूनी विवाद है। प्रोड्यूसर सेवन आर्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने इस मामले को लेकर अब मद्रास हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। अब तक यही माना जा रहा था कि 'हेरा फेरी 3' के राइट्स निर्माता फिरोज नाडियाडवाला के पास हैं, लेकिन ताजा रिपोर्ट्स में इस दावे को चुनौती दी गई है। साउथ के जाने-माने प्रोड्यूसर सेवन आर्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने दावा किया है कि फ्रेंचाइजी के राइट्स उन्होंने खरीदे हैं, न कि फिरोज नाडियाडवाला ने। रिपोर्ट के मुताबिक, सेवन आर्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने अपनी याचिका में कहा है कि फिरोज नाडियाडवाला को मलयालम फिल्म 'रामजी राव स्पीकिंग' (1989) का केवल एक हिंदी रीमेक बनाने का अधिकार मिला था। इसी अधिकार के तहत प्रियदर्शन ने साल 2000 में 'हेरा फेरी' का निर्देशन किया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इसके बाद नाडियाडवाला ने बिना अधिकार के 'फिर हेरा फेरी' (2006) बनाई और अब 'हेरा फेरी 3' के राइट्स अभिनेता अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस को बेच दिए।

सेवन आर्ट्स इंटरनेशनल के मैनेजिंग डायरेक्टर जी.पी. विजयकुमार ने बताया कि उन्होंने साल 2022 में 'रामजी राव स्पीकिंग' के ओरिजिनल प्रोड्यूसर्स आदित्य फिल्म्स से 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी के राइट्स खरीदे थे। उनके मुताबिक, फिरोज नाडियाडवाला को न तो सीक्वल, प्रीक्वल बनाने का अधिकार था और न ही किरदारों के इस्तेमाल की अनुमति।

इस सवाल पर विजयकुमार ने कहा कि पहली फिल्म प्रियदर्शन ने निर्देशित की थी, जिनसे उनके अच्छे संबंध रहे हैं। वहीं दूसरी फिल्म नीरज वोरा ने बनाई और उस समय कॉपीराइट होल्डर्स को इसकी पूरी जानकारी नहीं मिल पाई।

'रामायण' में नजर आएंगे विजय सेतुपति

मशहूर निर्माता-निर्देशक नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' की चर्चा लगातार हो रही है। साल 2026 में रिलीज होने जा रही फिल्म 'रामायण' उन प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिसका इंतजार हरकोई कर रहा है। इस मूवी के बजट ने भी निर्माताओं की रातों की नींद उड़ा रखी है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान की भूमिका निभाने वाले हैं। रणबीर कपूर के फैन्स भी उन्हें इस किरदार में देखने के लिए बेताब हैं। अब जो रिपोर्ट्स वायरल हो रही हैं उनके मुताबिक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में साउथ सुपरस्टार विजय सेतुपति की एंट्री होती नजर आ रही है।

एक्शन अवतार में फिर लौटे सनी देओल

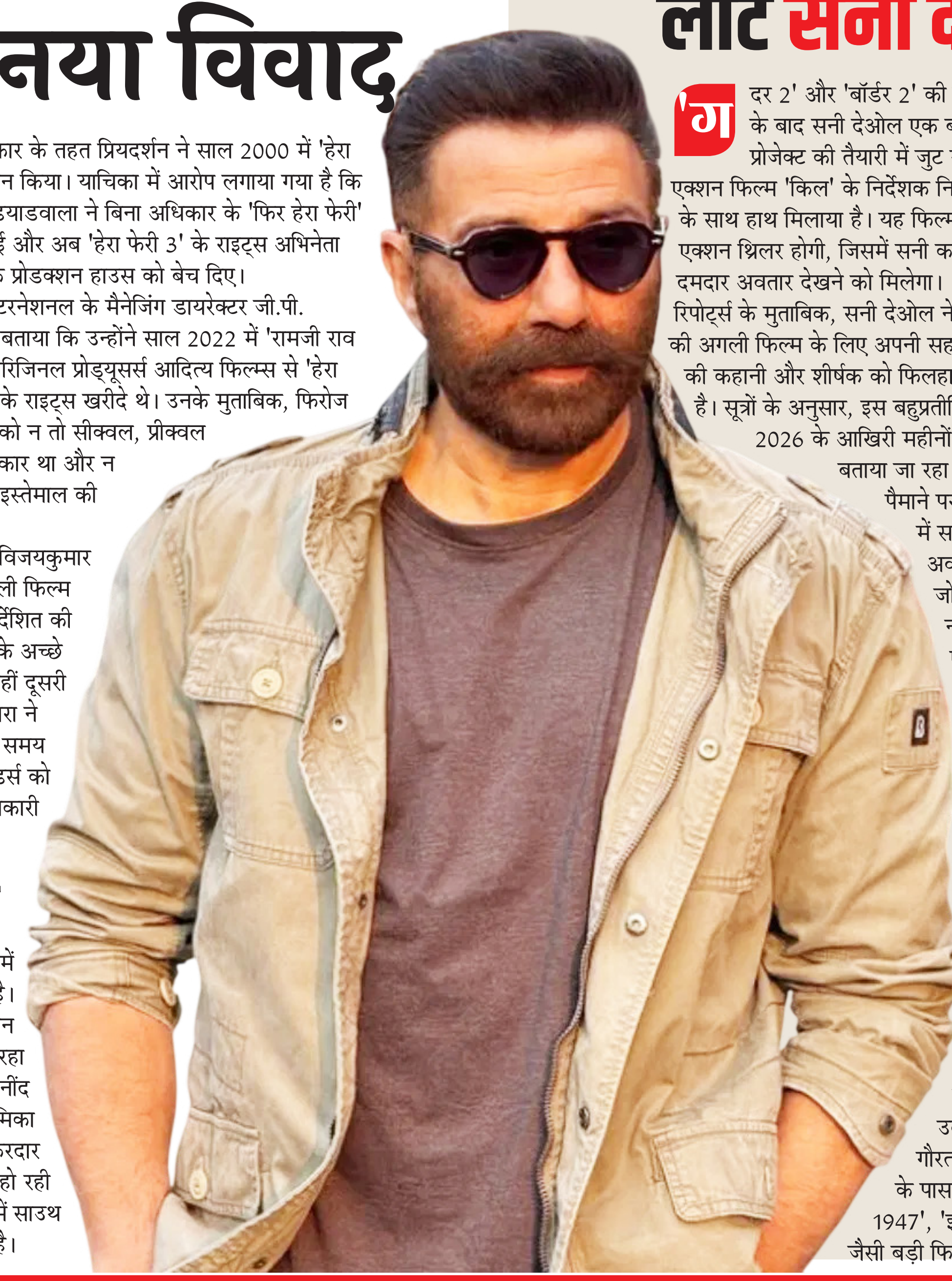

'गदर 2' और 'बॉर्डर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद सनी देओल एक बार फिर बड़े एक्शन प्रोजेक्ट की तैयारी में जुट गए हैं। सनी ने चर्चित एक्शन फिल्म 'किल' के निर्देशक निखिल नागेश भट के साथ हाथ मिलाया है। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर होगी, जिसमें सनी का बिल्कुल नया और दमदार अवतार देखने को मिलेगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सनी देओल ने निखिल नागेश भट की अगली फिल्म के लिए अपनी सहमति दे दी है। फिल्म की कहानी और शीर्षक को फिलहाल गोपनीय रखा गया है। सूत्रों के अनुसार, इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट की शूटिंग 2026 के आखिरी महीनों में शुरू की जाएगी। बताया जा रहा है कि यह फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी, फिल्म में सनी देओल का ऐसा अवतार देखने को मिलेगा, जो पहले कभी पर्दे पर नजर नहीं आया। एक्शन सीक्वेंस में कई सीटीमार पल होंगे, जो दर्शकों को रोमांच से भर देंगे। 'किल' जैसी हिंसक और चर्चित एक्शन फिल्म के निर्देशक के साथ सनी देओल की यह नई जुगलबंदी सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बनी हुई है। 'बॉर्डर 2' के बाद इस फिल्म की खबर से फैंस में खासा उत्साह देखा जा रहा है। गौरतलब है कि सनी देओल के पास पहले से ही 'लाहौर 1947', 'इक्का' और 'रामायण' जैसी बड़ी फिल्में हैं।

ये कैसा इंसाफ?

20 रुपये की रिश्वत के आरोप में 30 साल लड़ना पड़ा मुकदमा

अदालत से बरी होने के बाद गई जान

यह कहानी असल जिंदगी की एक फिल्म जैसी है। अंतर बस इतना है कि इसका अंत और बेहतर हो सकता था। अगर यह व्यक्ति कुछ दिन और जीवित रहता। गुजरात में एक व्यक्ति ने केवल 20 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में 30 साल जेल में बिताए। अब जाकर उसे बेगुनाह घोषित किया गया है। यह मामला 1994 की उस हॉलीवुड फिल्म से मिलता-जुलता लग रहा है, जिसमें एक निर्दोष व्यक्ति लंबे समय तक जेल में रहता है।

एजेंसी । अहमदाबाद

गुजरात हाई कोर्ट ने अहमदाबाद के एक पुलिस कांस्टेबल को 30 साल पुराने रिश्वत मामले में निर्दोष करार दिया. यह मामला महज 20 रुपये की रिश्वत से जुड़ा था, जिसने एक ईमानदार पुलिसकर्मी की पूरी जिंदगी पर दाग लगा दिया था. हालांकि हाई कोर्ट के बाइज्जत बरी करने के फैसले से बाबूभाई प्रजापति की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और वे लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मिली जीत को लेकर भावुक भी हो उठे. हालांकि हाई कोर्ट के इस फैसले के अगले ही दिन उनका निधन हो गया.

1996 में क्या हुआ था?

- पुलिस कांस्टेबल बाबूभाई प्रजापति अहमदाबाद में तैनात थे।
- उन पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने 20 रुपये की रिश्वत ली थी।
- यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया गया।
- 1997 में सत्र न्यायालय में उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल हुआ।
- 2002 में आरोप तय किए गए। 2003 में गवाहों की सुनवाई शुरू हुई।
- 2004 में सत्र न्यायालय ने बाबूभाई प्रजापति को दोषी ठहराया।
- उन्हें चार साल की जेल और 3,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई

कोर्ट ने फैसले में क्या कहा?

- इसके बाद प्रजापति ने गुजरात हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती दी। लेकिन उनकी अपील 22 साल तक लंबित रही।
- आखिरकार चार फरवरी को हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया और उन्हें बेगुनाह घोषित कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गवाहों के बयानों में गंभीर विरोधाभास हैं। अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में विफल रहा।

फैसले के अगले ही दिन गई जान

प्रजापति के वकील नितिन गांधी ने अदालत को बताया कि पूरा मामला केवल शक के आधार पर था। फैसले के बाद बाबूभाई प्रजापति ने अपने वकील के कार्यालय में भावुक होकर बातें बताईं। इसके बाद वह अपने घर लौट गए। अगले ही दिन उनकी प्राकृतिक कारणों से मृत्यु हो गई। उनके शुभचिंतकों ने कहा कि काश वे कुछ दिन और जीवित रहते। वकील ने बताया, कल जब वह मेरे कार्यालय आए थे, तो बहुत खुश थे। उन्हें बरी किया गया था। वकील ने कहा, मैंने उनसे कहा कि आप सरकार से मिलने वाले सभी लाभों के लिए आवेदन करें। अगले दिन मैंने उन्हें फोन किया, तो पता चला कि दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई।

30 साल बाद निर्दोष करार

इस फैसले को बाबूभाई प्रजापति ने गुजरात हाई कोर्ट में चुनौती दी थी, जहां करीब 22 वर्षों तक उनकी अपील लंबित रही। अंततः 4 फरवरी 2026 को गुजरात हाई कोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए बाबूभाई प्रजापति को निर्दोष करार दिया। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष गवाहों के बयानों में गंभीर विरोधाभास हैं और आरोपों को संदेह से परे साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। कांस्टेबलों की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता नितिन गांधी ने दलील दी कि पूरा मामला मात्र संदेह के आधार पर खड़ा किया गया था और जांच में कई खामियां थीं। गौरतलब है कि ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए तीनों पुलिसकर्मियों ने उसी वर्ष गुजरात हाई कोर्ट का रुख किया था। इस अपील पर 4 फरवरी को फैसला सुनाया गया, जिसमें उच्च न्यायालय ने बाबूभाई प्रजापति समेत तीनों कांस्टेबलों को रिश्वत के आरोप से बरी कर दिया। जस्टिस एस. वी. पिंटो ने बुधवार को सुनाए गए फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाहों की गवाही में गंभीर विसंगतियां हैं और जांच की प्रक्रिया भी संदेह के घेरे में है। अदालत ने इन दलीलों को स्वीकार करते हुए घटना के लगभग 30 साल बाद तीनों कांस्टेबलों की सजा को रद्द कर दिया।

फैसला सुन रो पड़े बाबूभाई

जब गुजरात हाई कोर्ट ने इस केसा का फैसला सुनाया तो फैसला सुनते ही बाबूभाई की आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने अपने वकील से दिल छू लेने वाली बात कही। उन्होंने कहा, 'वकील साहब, आज मेरे माथे से कलंक हट गया है। अब अगर भगवान मुझे ले भी जाए, तो मुझे कोई दुख नहीं होगा। मैं अब चैन से मर सकता हूं।'

एपस्टीन फाइल लीक की चपेट में यूरोप

▸▸ राजनयिक और शीर्ष नेताओं के करियर खत्म हो गए

एजेंसी । नई दिल्ली

जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी गोपनीय फाइलों के सार्वजनिक होने से ब्रिटेन और अमेरिका सहित कई देशों की राजनीति में तूफान आ गया है। इस खुलासे ने न केवल राजनेताओं, बल्कि वरिष्ठ राजनयिकों और शाही परिवार के सदस्यों के करियर को भी दांव पर लगा दिया है। हालांकि इनमें से कई लोगों पर यौन शोषण के सीधे आरोप नहीं हैं, लेकिन एपस्टीन के अपराधी सिद्ध होने के बाद भी उससे संबंध बनाए रखने के कारण उन्हें भारी आलोचना और इस्तीफों का सामना करना पड़ रहा है।

ब्रिटिश राजनीति और प्रधानमंत्री पर दबाव

ब्रिटेन में इस मामले का सबसे गहरा असर देखने को मिल रहा है। पूर्व राजदूत पीटर मेंडलसन को उनके पद से हटा दिया गया है और अब उन पर कानूनी कार्रवाई की तलवार लटक रही है। इस विवाद की आंच वर्तमान ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर तक भी पहुँच गई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को राजदूत नियुक्त किया जिसके संबंध एपस्टीन से थे, जिससे सरकार की नैतिकता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

शाही परिवार पर कार्रवाई और प्रिंस एंड्रयू

ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्य प्रिंस एंड्रयू को इस प्रकरण के कारण सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्हें उनके शाही खिताबों, सरकारी आवास और सम्मानों से पहले ही बेदखल किया जा चुका है। गौरतलब है कि प्रिंस एंड्रयू ने एपस्टीन की एक पीड़िता के साथ करोड़ों रुपये का समझौता भी किया था। शाही प्रतिष्ठा को बचाने के लिए उठाए गए इन कड़े कदमों ने यूरोप के अन्य राजघरानों को भी सतर्क कर दिया है।

यूरोप और नॉर्वे में बड़े राजनीतिक इस्तीफे

इस विवाद का असर केवल ब्रिटेन तक सीमित नहीं है; नॉर्वे, स्वीडन और स्लोवाकिया जैसे देशों में भी कई वरिष्ठ अधिकारियों को इस्तीफा देना पड़ा है। नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री थोर्बयॉर्न यागलैंड के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच शुरू हो गई है, जबकि क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट को एपस्टीन से अपनी पुरानी दोस्ती के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी है।

एसआईआर सुनवाई शिविरों पर विरोध-प्रदर्शन

एजेंसी । कोलकाता

बंगाल के नॉर्थ 24 परगना के एसआईआर सुनवाई शिविरों में शनिवार को विरोध प्रदर्शन हुआ। पुलिस के अनुसार यह प्रदर्शन इसलिए हुआ क्योंकि स्थानीय लोगों का आरोप है कि जीवित मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने की कोशिश की जा रही है, उन्हें मृत दर्शाने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सुबेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि बैदूरिया ब्लॉक ऑफिस में टीएमसी समर्थकों ने हंगामा और उपद्रव किया। वहीं, राज्य की सत्ताधारी पार्टी ने इसे नकारते हुए कहा कि यह जनता की नाराजगी का प्रदर्शन था। स्थानीय लोगों का दावा है कि चांदीपुर ग्राम पंचायत के बूथ नंबर 45 और अटघारा ग्राम पंचायत के बूथ नंबर 80 के 33 मतदाताओं

चुनाव आयोग से कड़ी कार्रवाई की मांग की

पुलिस अधिकारी ने कहा विरोध कर रहे मतदाताओं का कहना है कि यह योजना भाजपा के खिलाफ नहीं, बल्कि टीएमसी की कथित साजिश के तहत की जा रही है। स्थानीय लोगों ने चुनाव आयोग से कड़ी कार्रवाई की मांग की। बैदूरिया के BDO पार्था हजरा ने कहा कि कई मतदाताओं ने शिकायतें दी हैं और मामले की जांच जारी है। उन्होंने कहा मामले की पड़ताल की जा रही है और शिकायतों को सत्यापित किया जा रहा है।

टीवीके चेन्नई की दो सीटों पर लड़ सकती है चुनाव

पार्टी कार्यकर्ताओं से विचार-विमर्श के बाद लेंगे फैसला

चेन्नई। तमिल फिल्म अभिनेता और नेता विजय अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के लिए विधानसभा चुनाव में पहली बार चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, वह चेन्नई की दो विधानसभा सीटों – वेलाचेरी और विरुगंबक्कम में से किसी एक को चुन सकते हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि विजय इस समय पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से फीडबैक ले रहे हैं। सभी की राय के बाद वह अंतिम फैसला करेंगे कि किस सीट से चुनाव लड़ेंगे। चेन्नई की दो सीटों के अलावा विजय कुछ अन्य सीटों पर भी विचार कर रहे हैं।

आईसीएमआर ने क्यासानूर वन रोग के लिए शुरू किया मानव ट्रायल

नई दिल्ली केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने क्यासानूर वन रोग (केएफडी) यानी 'बंदर बुखार' के लिए सुधारित और प्रभावी वैक्सीन के मानव क्लिनिकल ट्रायल की शुरुआत कर दी है।

केएफडी क्या है?

केएफडी, जिसे कैया सनूर फॉरेस्ट डिजीज भी कहा जाता है, पश्चिमी घाट के राज्यों कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, गोवा और महाराष्ट्र में पाया जाने वाला एक संक्रामक रोग है।

देशी और सुरक्षित वैक्सीन पर काम तेज

वैक्सीन विकास का काम

कर्नाटक सरकार के अनुरोध पर आईसीएमआर ने केएफडी वैक्सीन विकसित करने का काम शुरू किया। इसके तहत इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (आईआईएल) और आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाइरोलॉजी मिलकर दो खुराक वाली एडजुवेंटेड इनएक्टिवेटेड वैक्सीन तैयार कर रहे हैं, जिसे 28 दिन के अंतराल पर लगाया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

पुरुलिया मेडिकल कॉलेज में रैगिंग पर दो सीनियर सस्पेंड

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में स्थित देबेन महता गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में रैगिंग की एक गंभीर घटना चर्चा का विषय बनी हुई है। कॉलेज प्रशासन ने शनिवार को दो सीनियर एमबीबीएस छात्र दो साल के लिए सस्पेंड कर दिए हैं। घटना की शिकायत पीड़ित छात्र महबूब इस्लाम (एमबीबीएस बैच 2025-2030) की मां मलीना खातून ने की थी। एंटी-रैगिंग कमेटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर पाया गया कि दूसरे और चौथे वर्ष के दो छात्रों ने पहले वर्ष के छात्र के साथ रैगिंग की, जिसमें मारपीट भी शामिल थी। रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित छात्र को पीठ पर गंभीर चोटें आईं, जिस कारण उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में यूडीएफ नेता अदूर प्रकाश से पूछताछ

तिरुवनंतपुरम। सबरीमाला मंदिर से जुड़े सोना गुमशुदगी मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (SIT) ने शनिवार को यूडीएफ संयोजक और कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश से पूछताछ की। पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। नोटिस मिलने के बाद अदूर प्रकाश शनिवार सुबह क्राइम ब्रांच मुख्यालय पहुंचे। एसआईटी ने उनसे करीब ढाई घंटे तक पूछताछ की, जिसके बाद वह दोपहर करीब 1 बजे कार्यालय से बाहर निकले। इस मामले में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी, जिन्हें हाल ही में वैधानिक जमानत मिली है, से भी एसआईटी ने अलग से पूछताछ की। मीडिया से बातचीत में अदूर प्रकाश ने कहा कि वह शुक्रवार को कासरगोड से लौटे थे, तभी SIT ने उनसे कुछ मामलों में स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने कहा जैसा निर्देश दिया गया था, मैं आज यहां आया। सभी सवालों के स्पष्ट जवाब दिए हैं। अब उन जवाबों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या एसआईटी ने उनसे उन्नीकृष्णन पोट्टी से उनके संबंधों को लेकर सवाल किए, तो उन्होंने स्वीकार किया कि इस विषय पर चर्चा हुई और सभी विवरण टीम को दर्ज कराए गए।

सूरजकुंड मेले में झूला हादसा, 13 घायल

एजेंसी । फरीदाबाद

हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित प्रसिद्ध सूरजकुंड मेले में शनिवार शाम एक बड़ा हादसा हुआ, जब मेले में लगे 'सुनामी' नामक झूला अचानक टूटकर नीचे गिर गया। इससे वहां भारी अफरातफरी मची और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटनास्थल पर मौजूद घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटनास्थल पर बचाव कार्य में लगे एक पुलिस इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस दुर्घटना में करीब 13 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कुछ की स्थिति गंभीर है। हादसे के बाद वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य में तेजी लाई गई।

हड़कंप और बचाव कार्य

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि झूला ऊपर-नीचे झूलते समय तकनीकी खराबी के कारण अचानक टूट गया, जिससे सवार और आसपास खड़े लोग जमीन पर गिर पड़े। हादसे के तुरंत बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने इलाके को घेर कर बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को निकालकर प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल सरकार की याचिका को दी मंजूरी

▸▸ विधायकों के खिलाफ 45 आपराधिक मामले वापस लेने की अर्जी

एजेंसी । नई दिल्ली

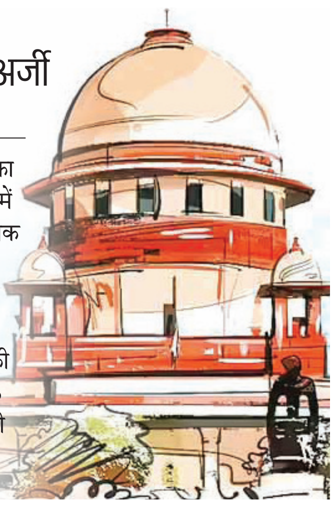

सुप्रीम कोर्ट हिमाचल प्रदेश सरकार की उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया है, जिसमें सांसदों और विधायकों के विरुद्ध दर्ज 45 आपराधिक मामलों को वापस लेने की अनुमति मांगी गई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने इस संबंध में नोटिस जारी कर मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च 2026 के लिए तय की है। यह याचिका हिमाचल प्रदेश के हाईकोर्ट के 26 अप्रैल, 2024 के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई है, जिसमें राज्य सरकार को सभी मामलों को वापस लेने की अनुमति नहीं दी गई थी।

सुक्खू सरकार ने दायर की याचिका

मामले की पृष्ठभूमि और हाईकोर्ट का निर्णय सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने प्रदेश के वर्तमान और पूर्व विधायकों/सांसदों के खिलाफ दर्ज कुल 65 मामलों को वापस लेने की सिफारिश की थी। इनमें से अधिकांश मामले पिछले भाजपा शासन के दौरान कोविड महामारी के समय रैलियां आयोजित करने के कारण कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं पर दर्ज किए गए थे। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में केवल 15 मामलों को वापस लेने की अनुमति दी थी। कोर्ट ने पाया कि लंबित याचिका के दौरान मुख्यमंत्री सुक्खू के खिलाफ कुल पांच मामले पहले ही निपट चुके हैं। हालांकि, हाईकोर्ट ने गंभीर धाराओं जैसे सरकारी कर्मचारी पर हमला (आइपीसी 353), आपराधिक धमकी (आइपीसी 506) और आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत दर्ज मामलों को वापस लेने से इन्कार कर दिया था। अश्विनी कुमार उपाध्याय मामले का संदर्भ हाईकोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 321 के तहत अभियोजन वापस लेने के लिए सामान्यतः हाईकोर्ट की अनुमति की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन अश्विनी कुमार उपाध्याय बनाम भारत संघ (2020) मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद, जन प्रतिनिधियों के खिलाफ मामलों में ऐसी अनुमति अनिवार्य हो गई है।

मलेशिया में पीएम मोदी का जोरदार स्वागत

प्रधानमंत्री इब्राहिम के साथ कार की सवारी

एजेंसी । कुआलालंपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मलेशिया की दो दिवसीय यात्रा पर कुआलालंपुर पहुंचे। इस यात्रा के दौरान मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने व्यक्तिगत रूप से एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया, जो दोनों नेताओं के बीच गहरे व्यक्तिगत संबंधों को दर्शाता है। एयरपोर्ट पर सांस्कृतिक स्वागत भी किया गया, जिसमें भारत और मलेशिया की साझा विरासत को दिखाया गया। बच्चों ने दोनों देशों के झंडे लहराते हुए लाइन लगाकर पीएम मोदी का अभिनंदन किया। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वे अपने मित्र अनवर

इब्राहिम द्वारा दिए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से गहराई से प्रभावित हैं। भारत-मलेशिया के बीच दोस्ती को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं। यह पीएम मोदी की 2015 के बाद मलेशिया की तीसरी यात्रा है, जो अनवर इब्राहिम के निमंत्रण पर हो रही है। एयरपोर्ट से ही दोनों प्रधानमंत्रियों ने एक ही कार में सवार होकर कुआलालंपुर में कम्युनिटी कार्यक्रम की ओर रवाना हुए।

अमृत भारत स्टेशन योजना > 172 स्टेशनों का मेकओवर हुआ पूरा

'सिटी सेंटर' के रूप में विकसित हो रहे रेलवे स्टेशन

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प के लिए केंद्र सरकार की 'अमृत भारत स्टेशन योजना' तेज़ी से आगे बढ़ रही है। रेल मंत्री ने लोकसभा में जानकारी दी कि अब तक देश के 172 स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य स्टेशनों को केवल सुंदर बनाना नहीं है, बल्कि उन्हें एक आधुनिक 'सिटी सेंटर' के रूप में विकसित करना है, जिससे यात्रियों को विश्वस्तरीय अनुभव मिल सके।

एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं

पुनर्विकसित किए गए इन 172 स्टेशनों पर अब यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी सुख-सुविधाएं मिल रही हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यहाँ चौड़े फुटओवर ब्रिज, लिफ्ट और एस्केलेटर की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही बेहतर वेटिंग हॉल, साफ-सुथरे शौचालय और रूफ प्लाजा जैसी सुविधाएं जोड़ी गई हैं। रेलवे ने इन स्टेशनों को इस तरह डिजाइन किया है कि वे शहर के दोनों हिस्सों को आपस में जोड़ने वाले सेतु का कार्य भी कर सकें।

भविष्य का विशाल लक्ष्य

रेलवे की यह उपलब्धि केवल एक शुरुआत है, क्योंकि इस विशाल योजना के तहत देशभर के कुल 1,337 स्टेशनों को पुनर्विकास के लिए चुना गया है। आने वाले समय में इन सभी स्टेशनों पर टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल (eco-friendly) बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा। यहाँ हाईटेक पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, कियोस्क और मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन जैसी व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं, ताकि यात्रियों को अपनी यात्रा से जुड़ी हर जानकारी आसानी से मिल सके।

सुरक्षा-बुनियादी ढांचे पर जोर

यात्री सुविधाओं के साथ-साथ रेलवे ने सुरक्षा मानकों पर भी विशेष ध्यान दिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, 2022 से दिसंबर 2025 के बीच देशभर में 8,626 रेलवे पुलों की मरम्मत, सुदृढ़ीकरण और पुनर्निर्माण का कार्य पूरा किया गया है। रेलवे सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए पुलों की साल में दो बार (मानसून से पहले और बाद में) अनिवार्य जांच सुनिश्चित करता है ताकि किसी भी दुर्घटना की संभावना को शून्य किया जा सके।